संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 328
पृष्ठ 8
शुक्रवार
22 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- स्वादिष्ट पनीर भुर्जी बनाने के लिए...

विचार- उपराष्ट्रपति पद और विचारधारा...

खेल- अब बढ़ेगी गेंदबाजों की परेशानी...

सीएम योगी ने एटा में सीमेंट प्लांट का किया उद्घाटन, कहा-

जब सरकार की नीति स्पष्ट हो तो विकास के परिणाम आते हैं

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एटा में सीमेंट प्लांट का सीएम योगी ने उद्घाटन किया। सीएम ने कहा कि आज एटा की पहचान न सिर्फ सीमेंट और पावर प्लांट से है, बल्कि अपने परंपरागत उद्यम जलेसर के घंटा और घुंघरू से भी है। देवस्थान की पूजा और संगीत की महफिल, दोनों जलेसर के बिना अधूरी हैं। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है। इसी कड़ी में यूपी को भी विकसित करना होगा। विधानसभा और विधान परिषद में 24 घंटे लगातार बहस हुई, सेक्टर और थीम तय किए गए। अब विशेषज्ञ हर जिले में जाकर युवाओं को तैयार करेंगे और जनता के सुझावों से रोडमैप बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री सीमेंट सिर्फ उद्योग नहीं, बल्कि राष्ट्रीय उत्तरदायित्व भी निभा रहा है। अकेले एटा यूनिट ने अब तक 183 शहीद परिवारों को मुफ्त सीमेंट उपलब्ध कराया है। सीएम योगी ने कहा कि जब भारतीय जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर में अपने शौर्य और पराक्रम से दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए, तो यह तभी संभव हुआ जब पूरा देश एकजुट खड़ा रहा। श्री सीमेंट का योगदान इसी राष्ट्रीय भावना को मजबूत करता है। उन्होंने बताया कि बुलंदशहर और एटा के बाद, चित्रकूट में श्री सीमेंट ने 40 मेगावाट का ग्रीन एनर्जी प्लांट लगाया है। सरकार ने उन्हें ओपन एक्सेस की सुविधा दी है ताकि वहां बनी बिजली का उपयोग यहीं हो सके। सीएम ने श्री सीमेंट को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार अपनी औद्योगिक नीति के तहत किए गए सभी वायदे समय पर पूरे करेगी। एटा आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, चार-लेन कनेक्टिविटी और लोक कल्याणकारी योजनाओं के साथ विकास की नई बुलंदियों पर पहुंचेगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मंत्री विधानपरिषद के सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, विधायक सत्यपाल सिंह राठौर, संजीव कुमार दिवाकर, वीरेंद्र सिंह लोधी, विपिन कुमार डेविड, आशीष यादव, श्री सीमेंट के चेयरमैन हरि मोहन बांगड़ और मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज अखौरी उपस्थित रहे। योगी आदित्यनाथ ने एटा में श्री सीमेंट के प्लांट के उद्घाटन से पूर्व पूरे प्लांट की विजिट की। इस दौरान उन्होंने प्लांट में मशीनरी और इसकी कार्यप्रणाली के बारे में भी जानकारी ली। उन्हें साइट मैप के माध्यम से भी पूरे प्लांट के विषय में जानकारी दी गई। इस दौरान सीएम योगी ने प्लांट परिसर में पौधारोपण भी किया।

स्पीकर की चाय पार्टी में बोले पीएम मोदी

कांग्रेस के युवा नेताओं से घबरा गए हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद, अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने कक्ष में एक अनौपचारिक चाय पार्टी का आयोजन किया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वरिष्ठ मंत्री अमित शाह और राजनाथ सिंह, तथा एनडीए के सहयोगी दलों के सदन के नेता शामिल हुए। पिछले सत्र की तरह, विपक्ष के नेताओं ने इस बैठक से दूर रहने का फैसला किया, जिससे एक बार फिर उनकी अनुपस्थिति दर्ज की गई। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि विपक्ष, खासकर कांग्रेस में, कई युवा नेता बेहद प्रतिभाशाली हैं, लेकिन पारिवारिक असुरक्षा के कारण उन्हें बोलने का मौका नहीं मिलता। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने आगे कहा कि ऐसे युवा नेताओं की मौजूदगी से राहुल गांधी असुरक्षित और घबराए हुए महसूस कर रहे होंगे। उपस्थित लोगों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सत्र को एक उत्पादक सत्र बताया और कहा कि कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। इनमें से, उन्होंने ऑनलाइन गेमिंग विधेयक पर विशेष ज़ोर दिया और इसके दूरगामी परिणामों और नागरिकों के जीवन पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे मुद्दों पर वर्तमान में जितनी गंभीरता से राजनीतिक चर्चा होती है, उससे कहीं अधिक गंभीरता से विचार-विमर्श की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने प्रमुख विधेयकों पर बहस से दूर रहने के लिए विपक्ष की आलोचना की। उन्होंने कहा, वे केवल व्यवधान पैदा करने में लगे रहे। संसद ने 20 अगस्त को ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया, जो ऑनलाइन मनी गेमिंग कंपनियों, उनके प्रवर्तकों और यहाँ तक कि उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के लिए कड़े नियम और दंड का प्रावधान करता है।

जैसलमेर में मिला 18 करोड़ साल पुराना जीवाश्म, डायनासोर के होने की आशंका

जैसलमेर, एजेंसी। जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ उप-मंडल के मेघा गांव में एक बड़ी और चौंकाने वाली खोज हुई है। यहां जुरासिक युग से संबंधित एक अनोखा कशेरुकी जीवाश्म (Vertebrate Fossil) मिला है, जिसे देखकर वैज्ञानिक भी हैरान हैं। वरिष्ठ जल-भूविज्ञानी डॉ. नारायण दास इनाखिया ने बताया कि यह जीवाश्म बेहद खास है क्योंकि इसमें रीढ़ (spine) का पूरा हिस्सा देखा जा सकता है। उन्होंने अनुमान लगाया है कि यह लगभग 18 करोड़ साल पुराना हो सकता है। डॉ. इनाखिया के अनुसार, यह जीवाश्म जैसलमेर के समृद्ध भूवैज्ञानिक इतिहास का एक ठोस प्रमाण है। इस खोज से कई नई जानकारियां मिलने की उम्मीद है, क्योंकि जैसलमेर में पहले भी डायनासोर के पैरों के निशान और हड्डियां मिली हैं। यह नया जीवाश्म भी संभवतः किसी डायनासोर या जुरासिक काल के किसी अन्य विशालकाय जीव का हिस्सा हो सकता है। जीवाश्म में पंखों के निशान भी पाए गए हैं, जो इसे और भी दुर्लभ बनाते हैं। इस खोज के बाद, जैसलमेर का यह इलाका दुनिया भर के जीवाश्म वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के लिए एक नया और महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। यह उपलब्धि न केवल विज्ञान के लिए एक बड़ी जीत है, बल्कि यह जैसलमेर को एक नया पर्यटन स्थल भी बना सकती है, जहां लोग लाखों साल पुराने इतिहास को करीब से देख सकेंगे।

तीर्थयात्रियों की बस खाई में गिरी, एक की मौत

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में बृहस्पतिवार को माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर जा रहे तीर्थयात्रियों की बस जम्मू-पठानकोट राजमार्ग से फिसलकर खाई में गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 39 लोग घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना जटवाल में हुई जब उत्तर प्रदेश से कटरा जा रहे तीर्थयात्रियों की बस का टायर फट गया और वह एक छोटे पुल के पास राजमार्ग से फिसल गई। उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान अमरोहा निवासी 45 वर्षीय इकबाल सिंह के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद एक बचाव अभियान शुरू किया गया और घायलों को सांबा के अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में उनमें से सात लोगों को बाद में विजयपुर स्थित एम्स अस्पताल में स्थानांतरित किया गया।

मानसून सत्र में लोकसभा में बारह विधेयक पारित हुए : बिरला

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मानसून सत्र में 14 विधेयक पुररूस्थापित किए गए तथा कुल 12 विधेयक पारित किए गए। श्री बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से पहले गुरुवार को अपने वक्तव्य में कहा कि इस सत्र में 14 सरकारी विधेयक पुररूस्थापित किए गए तथा कुल 12 विधेयक पारित किए गए। गत 28 और 29 जुलाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर विशेष चर्चा हुई, जिसका समापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तर के साथ हुआ। 18 अगस्त को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों पर विशेष चर्चा आरंभ की गयी। उन्होंने कहा कि इस सत्र में कार्यसूची में 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे, किंतु लगातार नियोजित व्यवधान के कारण केवल 55 प्रश्न ही मौखिक उत्तर हेतु लिए जा सके। हम सभी ने सत्र के प्रारंभ में तय किया था कि हम इस सत्र में 120 घंटे चर्चा और संवाद करेंगे। कार्य मंत्रणा समिति में भी इस पर सहमति थी लेकिन लगातार गतिरोध और नियोजित व्यवधान के कारण हम मुश्किल से 37 घंटे ही इस सत्र में काम कर पाए। अध्यक्ष ने कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में हमारे आचरण और कार्यप्रणाली को पूरा देश देखता है।

राजनाथ सिंह और शुभांशु शुक्ला के बीच हुई गगनयान मिशन पर चर्चा, कहा-

उनकी उपलब्धियों पर देश को गर्व

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के सफल मिशन के बाद गुरुवार को दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इससे पहले सोमवार को शुक्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात की। शुक्ला, आईएसएस के लिए एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन के पायलट थे। नासा मिशन पूरा करने के बाद वह 15 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे और रविवार तड़के राष्ट्रीय राजधानी पहुँचे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर एक मिशन पूरा करने में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की उपलब्धियों के महत्व और 2047 तक 'विकसित भारत' के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। बिरला ने लोकसभा को संबोधित करते हुए कहा, इस अवसर पर, (निचला) सदन वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का भारत में स्वागत करता है। उनका अंतरिक्ष मिशन और सफल वापसी केवल मिशन की सफलता नहीं है, बल्कि भारतीय नागरिकों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। शुक्ला की उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा है। लोकसभा में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री – 2047 तक विकसित भारत के लिए अंतरिक्ष कार्यक्रम की महत्वपूर्ण भूमिका पर संक्षिप्त चर्चा हुई। अध्यक्ष ओम बिरला ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को उनकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच अपनी बात रखी। उन्होंने सोमवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए इसे ष्आश्चर्यजनकष् बताया कि विपक्ष अंतरिक्ष में देश की उपलब्धियों की प्रशंसा भी नहीं कर सकता। जितेंद्र सिंह ने विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच लोकसभा में कहा कि विपक्ष हमारी अंतरिक्ष उपलब्धियों के लिए अंतरिक्ष विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों को बधाई देने में विफल रहा है। आपका गुस्सा सरकार से हो सकता है। आपका गुस्सा भाजपा और एनडीए से हो सकता है। लेकिन यह आश्चर्यजनक है कि आप एक अंतरिक्ष यात्री से नाराज हो सकते हैं। और वह अंतरिक्ष यात्री जो एक अंतरिक्ष यात्री होने के अलावा, भारतीय वायु सेना का एक अनुशासित सैनिक भी है। वह किसी भी राजनीतिक दल से संबंधित नहीं है।

मोदी आज कोलकाता को देंगे 5200 करोड़ रुपए की विकास सौगात

कोलकाता, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को कोलकाता में 5200 करोड़ रुपए की लागत वाली महत्वपूर्ण मेट्रो रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। श्री मोदी 13.61 किलोमीटर लंबे नवनिर्मित मेट्रो नेटवर्क का उद्घाटन करेंगे और इन मार्गों पर मेट्रो सेवाएँ शुरू की जाएँगी। प्रधानमंत्री जेसोर रोड से नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। वह सियालदह-एस्प्लेनेड मेट्रो सेवा और बेलेघाटा-हेमंत मुखोपाध्याय मेट्रो सेवा को भी हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री इन मेट्रो खंडों और हावड़ा मेट्रो स्टेशन पर एक नवनिर्मित सबवे का उद्घाटन करेंगे। नोआपाड़ा-जय हिंद विमानबंदर मेट्रो सेवा से हवाई अड्डे तक पहुँच में उल्लेखनीय सुधार होगा। सियालदह-एस्प्लेनेड मेट्रो दोनों बिंदुओं के बीच यात्रा के समय को लगभग 40 मिनट से घटाकर केवल 11 मिनट कर देगी। बेलेघाटा-हेमंत मुखोपाध्याय मेट्रो खंड आईटी हब के साथ कनेक्टिविटी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राज्यसभा में पेश हुआ गिरफ्तार पीएम-सीएम को हटाने वाला बिल, संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा ने गुरुवार को संविधान (एक सौ तीसवाँ संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 को एक संयुक्त समिति को भेजने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें 21 लोकसभा सदस्य और 10 राज्यसभा सदस्य शामिल होंगे, जिन्हें क्रमशः अध्यक्ष और उपसभापति द्वारा नामित किया जाएगा। समिति को संसद के शीतकालीन सत्र के

पहले सप्ताह के अंतिम दिन अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष की लगातार नारेबाजी और हंगामे के बीच उच्च सदन में प्रस्ताव रखा कि तीनों विधेयकों को एक संयुक्त समिति को भेजा जाए। प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इससे पहले, गृह मंत्री अमित शाह ने भारत के संविधान में और संशोधन करने के लिए संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 में संशोधन करने वाले विधेयक के अलावा केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 को लोकसभा में पेश किया था। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025, भ्रष्टाचार या गंभीर अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे और कम से कम 30 दिनों तक हिरासत में रहे किसी केंद्रीय या राज्य मंत्री को पद से हटाने का प्रावधान करता है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में यह विधेयक पेश किया।

हर शादी में कुछ न कुछ झगड़े होते हैं, अलग रहना है तो शादी न करें, सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। विवाह और निर्भरता पर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने ज़ोर देकर कहा कि विवाह के दौरान पति या पत्नी के लिए पूर्ण स्वतंत्रता का दावा करना असंभव है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने आगाह किया कि जो लोग एक-दूसरे पर निर्भर रहने को तैयार नहीं हैं, उन्हें विवाह के बंधन में बंधना ही नहीं चाहिए। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कार्यवाही के दौरान कहा कि विवाह का अर्थ है दो आत्माओं, दो व्यक्तियों का मिलन। कोई भी पति या पत्नी यह नहीं कह सकता कि मैं अपने जीवनसाथी से पूरी तरह स्वतंत्र रहना चाहता हूँ। ये टिप्पणियाँ एक अलग रह रहे दंपति और उनके दो नाबालिग बच्चों से जुड़े विवाद की सुनवाई के दौरान आईं। पति, जो सिंगापुर में काम करता है, वर्तमान में भारत में है, जबकि पत्नी हैदराबाद में रहती है।

पीठ ने बच्चों के लिए चिंता व्यक्त करते हुए ज़ोर दिया, अगर वे साथ आ जाते हैं, तो हमें खुशी होगी क्योंकि बच्चे बहुत छोटे हैं। उनका क्या कसूर है कि उन्हें टूटे हुए घर का सामना करना पड़े? वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए पेश हुई पत्नी ने दलील दी कि उसके पति की दिलचस्पी सिर्फ़ हिरासत और मुलाक़ात में है, सुलह में नहीं। उसने यह भी दावा किया कि उसे कोई गुज़ारा भत्ता नहीं मिला है, जिससे एक अकेली माँ के तौर पर उसका जीवन मुश्किल हो गया है।

ऑनलाइन मनी गेमिंग की लत पर लगेगा अंकुश!

संसद ने विधेयक को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा ने गुरुवार को विपक्ष के विरोध और नारेबाजी के बीच श्ऑनलाइन गेमिंग के संवर्धन और विनियमन विधेयकश पारित कर दिया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा द्वारा पारित श्ऑनलाइन गेमिंग के संवर्धन और विनियमन विधेयकश को राज्यसभा में विचार और पारित करने के लिए पेश किया था। विधेयक के पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विधेयक के तीन पहलू हैं – ई-स्पोर्ट्स, ऑनलाइन सोशल गेमिंग और ऑनलाइन मनी गेमिंग, जिनमें से दो-तिहाई खंड (ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग) को बढ़ावा और प्रोत्साहन दिया जाएगा। राज्यसभा में बोलते हुए, वैष्णव ने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग एक महत्वपूर्ण विषय है जो डिजिटल दुनिया में एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है। इसके तीन खंड हैं – पहला खंड ई-स्पोर्ट्स है, जिसमें लोग टीम बनाकर खेलते हैं, समन्वय सीखते हैं, रणनीतिक सोच रखते हैं। हमारे खिलाड़ियों ने कई पदक भी जीते हैं। इस विधेयक में ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा दिया जाएगा, इसके लिए एक प्राधिकरण बनाया जाएगा और इसे कानूनी मान्यता मिलेगी। दूसरा है ऑनलाइन सोशल गेम्स जिसमें सॉलिटेयर, शतरंज, सोडुकू आदि शामिल हैं। इस विधेयक में ऑनलाइन सोशल गेम्स को बढ़ावा दिया जाएगा, प्रोत्साहित किया जाएगा और एक प्राधिकरण बनाया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तीसरा खंड – श्ऑनलाइन मनी गेमश अब सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम बन गया है। उन्होंने आगे कहा कि ऑनलाइन गेमिंग की पूरी दुनिया में दो-तिहाई वर्ग को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन एक ऐसा वर्ग है, तीसरा – ऑनलाइन मनी गेम्स, जिसके कारण समाज में, खासकर मध्यम वर्ग के युवाओं में, एक बड़ी समस्या पैदा हो गई है। इसकी लत लग जाती है और परिवार की जमा-पूंजी खर्च हो जाती है।

अनुमान है कि 45 करोड़ लोग इससे प्रभावित हैं और इसमें 20,000 करोड़ रुपए से ज़्यादा का नुकसान हो चुका है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे गेमिंग डिसऑर्डर घोषित किया है। ऑनलाइन मनी गेमिंग एक जन स्वास्थ्य जोखिम बन गया है। इससे मनोवैज्ञानिक विकार, बाध्यकारी व्यवहार, हिंसक व्यवहार जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। इसके कारण कई परिवार बर्बाद हो चुके हैं। यह एक बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

एसआरएन में क्यू-आर कोड से भी कीजिए जांच शुल्क का भुगतान

प्रयागराज। मंडल के सबसे बड़े एसआरएन अस्पताल में सभी तरह के जांच शुल्क ऑनलाइन भी जमा किया जा सकेगा। इसके लिए एसबीआई की ओर से अस्पताल प्रबंधन को चार क्यू–आर कोड से भुगतान की सुविधा प्रदान कर दी है। बुधवार को ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया से संबंधित प्रशिक्षण काउंटर पर कार्यरत कर्मचारियों को दिया गया। दो क्यूआर कोड पीएमएसएसवाई बिल्डिंग और दो नई बिल्डिंग के यूजर–चार्जेज काउंटर पर संचालित किया जाएगा।

एसआरएन अस्पताल की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ. नीलम सिंह ने बताया कि सरकार के डिजिटल इंडिया अभियान की दिशा में मरीजों की सुविधा के लिए यह व्यवस्था शुरू की गयी है। इससे कैश मिलान में सुविधा होने के साथ काउंटर पर फुटकर पैसे के लेन–देन को लेकर होने वाली व्यावहारिक परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। अधीक्षक के अनुसार सोमवार से क्यू–आर कोड की व्यवस्था चार काउंटर पर पूरी तरह से संचालित होने लगेगी। मेडिकल कॉलेज के प्रवक्ता डॉ. संतोष सिंह ने बताया कि ऑनलाइन भुगतान प्रक्रिया के शुरू होने से मरीजों व तीमारदारों को काफी सहूलियत होगी।

फोटोग्राफी प्रतियोगिता में अर्श ने मारी बाजी

प्रयागराज। यूनाइटेड विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार संकाय की ओर से मंगलवार को विश्व फोटोग्राफी के अवसर पर 'चित्रांश फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अर्चना टंडन और डॉ. आनंद कुमार गुप्ता रहे। प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और दृश्य कथावाचन क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। निर्णायकों की ओर से मूल्यांकन के बाद विजेताओं की घोषणा हुई। इसमें अर्श श्रीवास्तव प्रथम, आकांक्षा सिंह द्वितीय और प्रिंस कुमार तृतीय रहे। इस अवसर पर निलांश रस्तोगी, डॉ. विनय विक्रम सिंह, प्रिया गौड़, रवि शर्मा आदि मौजूद रहे।

ओम हेड ब्वाय और स्मृति बनीं हेड गर्ल

प्रयागराज। फाफामऊ के शांतिपुरम स्थित जेपी पब्लिक स्कूल में शैक्षिक सत्र 2025–26 के लिए छात्र परिषद का गठन किया गया। प्रधानाचार्य विनोद द्विवेदी और मैनेजिंग एडवाइजर विकास रंजन ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पदाधिकारियों को बैज लगाकर शपथ दिलाई गई। हेड ब्वॉय ओम शर्मा, हेड गर्ल स्मृति द्विवेदी, एसेंबली इंचार्ज समृद्धि द्विवेदी व महेंद्र पटेल, डिसिप्लिन इंचार्ज प्रिंस निषाद व अंकिता पटेल, स्पोर्ट्स कैप्टन अर्णव सिंह, समीर हाउस कैप्टन आर्यन सिंह, अग्नि हाउस कैप्टन आशा रावत, पृथ्वी हाउस कैप्टन लक्ष्मी पटेल और नीर हाउस कैप्टन अभिनव सिंह बनाए गए हैं। वाइस कैप्टन के रूप में आंशिक सिंह, अनुराग शुक्ला, प्रिंस गौतम और आदर्श पासवान को चुना गया। हाउस असिस्टेंट के रूप में मोहित मौर्य, शोभित शर्मा, मोहम्मद सब्बान और हिमांशु मौर्या नियुक्त किए गए। हाउस इंचार्ज की जिम्मेदारी आरुषि जायसवाल (अग्नि), अखिलेश मिश्र (समीर), संजीव (नीर) और वंदना ओझा (पृथ्वी) को दी गई।

डा. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विवि का होगा कुलगीत

प्रयागराज। डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय प्रयागराज ने अपने कुलगीत की रचना के लिए इच्छुक रचनाकारों से स्वरचित एवं मौलिक रचनाएं आमंत्रित की हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह पहल संस्थान की विशिष्ट पहचान और सांस्कृतिक धरोहर को और मजबूत करेगी। रचना के लिए कुछ विशेष दिशा–निर्देश तय किए गए हैं। कुलगीत केवल हिंदी (देवनागरी लिपि) में, लयबद्ध और 50–55 सेकंड की समयावधि का होना चाहिए। इसमें विश्वविद्यालय का मोटो 'यान्ति न्याय प्रवृत्तस्य, न्याय एवं विधि की महत्ता, इलाहाबाद उच्च न्यायालय का महत्व, भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद का योगदान तथा गंगा–यमुना–सरस्वती के संगम की विशेषता अनिवार्य रूप से शामिल होनी चाहिए। चयनित रचना को विश्वविद्यालय की समिति प्रमाणित करेगी और लेखक को प्रमाण पत्र व पचास हजार रुपये नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागियों को अपनी टाइपशुदा रचना ानसहममज/तचदसनच.ब.पद पर 11 सितम्बर तक भेजनी होगी।

नर्स से दुष्कर्म मामले में खुलासे के करीब पहुंची पुलिस

प्रयागराज। पांच दिन पहले निजी अस्पताल की नर्स के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस खुलासे के करीब पहुंच गई है। सूत्रों की मानें तो चार आरोपियों में तीन की धरपकड़ हो चुकी हैं, जबकि चौथे आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए दबिश जारी है। हालांकि पुलिस की ओर से भी किसी तरह की जानकारी साझा नहीं की गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। बीते 16 अगस्त की रात कर्जन पुल के समीप झाड़ियों में नर्स को खींचकर ले जाने के दुष्कर्म किया गया था। पीड़िता ने चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ फाफामऊ थाने में तहरीर दी थी। घटनास्थल पर शराब के बोतल, पीड़िता की सैंडिल व अन्य साक्ष्य मिले। वहीं, नर्स द्वारा बताए गए हुलिए और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान की है। सूत्रों की मानें तो तीन आरोपियों को पुलिस हिरासत में ले चुकी है, जबकि चौथे आरोपी की सरगर्मी से तलाश जारी है। हालांकि पुलिस अभी इस बारे में कुछ भी बताने से इनकार कर रही है। थाना प्रभारी अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि आरोपियों के बारे में अहम सुराग मिले हैं। जल्द ही मामले का खुलासा करते हुए सभी को जेल भेजा जाएगा।

शिकायत के महीनों बाद नहीं हटाया टेढ़ा पोल, कार पर गिरा

प्रयागराज। अल्लापुर करे पूराल पड़ाइन इलाके में बुधवार सुबह स्ट्रीट लाइट का पोल कार पर गिर पड़ा। इससे जान–माल का नुकसान नहीं हुआ, लेकिर को क्षति पहुंची। पूरा पड़ाइन के पार्षद विनय मिश्रा ने बताया कि महीनों से टेढ़ा पोल बदलने के लिए 24 जून को नगर निगम के मुख्य अभियंता (विद्युत) से आग्रह किया गया था। पार्षद के मुताबिक मुख्य अभियंता ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया। पोल गिरने के दौरान कोई व्यक्ति होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

रोडवेज की बसें न चलने से जान जोखिम में डालकर शहर का सफर तय कर रहे ग्रामीण

प्रयागराज। सोरांव तहसील मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य, रजिस्ट्री कार्यालय के एसीपी कार्यालय सोरांव में स्थित है। परन्तु प्रयागराज शहर जाने के लिए ग्रामीणों के साथ कर्मचारियों के लिए रोडवेज बस की सुविधा नहीं है। ब्लॉक में तैनात शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ कर्मचारियों को प्रयागराज शहर से सोरांव आने जाने के लिए विक्रम, टेंपो के अलावा कोई साधन उपलब्ध नहीं। ग्रामीणों के साथ कर्मचारी जान हथेली पर रखकर डग्गामार वाहन की सवारी करने को मजबूर हैं। सोरांव के साथ आस बाजारों के व्यापारी प्रयागराज शहर आने जाने के लिए निजी साधन न होने पर विक्रम टेंपो का सहारा लेना मजबूरी बन गई।

उसके बावजूद रोडवेज विभाग सोरांव मुख्यालय से बस का संचालन नहीं कर रहा है। सोरांव के लोगों ने कई बार इलेक्ट्रिक बस चलाने की मांग किया परंतु आश्वासन के अलावा आज तक सुविधा नहीं मिल पाई। जनपद प्रयागराज मुख्यालय से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोरांव तहसील आलू का कटोरा कहा जाता है। सोरांव के किसान आलू की बंपर पैदावार कर भारत के कई प्रान्तों में आपूर्ति करते हैं। सोरांव तहसील मुख्यालय से किसानों को आने जाने के लिए सरकारी बस की सुविधा नहीं है। सोरांव तहसील मुख्यालय से जुड़े दर्जनों गांव के ग्रामीण सोरांव से डग्गामार वाहन के सहारे प्रयागराज शहर जाने को मजबूर हैं। तीन पहिया वाले डग्गामार वाहनों के चालक मनमानी किराया वसूल करते हैं। आए दिन डग्गामार वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। तहसील के अधिवक्ता एवं क्षेत्रीय लोगों के पास डग्गामार वाहन के अलावा कोई विकल्प नहीं है। प्रतापगढ़, सुल्तानपुर से आने वाली रोडवेज बसें प्रयागराज शहर जाने के दौरान सोरांव में नहीं रुकती है। जिसके कारण सोरांव तहसील के सैकड़ों गांवों के लोग डग्गामार वाहन की यात्रा करने को मजबूर हैं। महाकुंभ से पूर्व होता था रोडवेज बसों का संचालन महाकुंभ से पूर्व सोरांव से प्रयागराज के लिए रोडवेज बस का संचालन होता था। हर आधे घंटे में एक बस

का आवागमन होने से क्षेत्रीय लोगों के साथ व्यापारियों को प्रयागराज शहर जाने–आने में सुविधा मिलती थी। महाकुंभ के बाद से सोरांव क्षेत्र पूरी तरह रोडवेज की सरकारी बस कनेक्टिविटी से दूर हो गया। ग्रामीण जान को जोखिम में डालकर डग्गामार वाहन के सहारे प्रयागराज शहर की यात्रा कर रहे हैं। इन मार्गो पर नहीं होता है रोडवेज बसों का संचालन महाकुंभ के बाद से सोरांव तहसील से जुड़े आधा दर्जन प्रमुख रूट रोडवेज बस की कनेक्टिविटी से दूर हो गए। प्रयागराज शहर से वाया सोरांव, दहियावां बाजार, प्रयागराज शहर से वाया सोरांव नेवादा, न्यायीपुर होलागढ़, प्रयागराज शहर से वाया सोरांव कलंदरपुर कमलानगर, प्रयागराज शहर से वाया सोरांव कल्याणपुर, सोरांव तहसील के कई मार्गो पर रोडवेज बस का संचालन न होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। सरकारी बस की सुविधा से वंचित सोरांव के छोटे किसान प्रयागराज शहर अपनी फसल एवं सब्जी को लेकर नहीं पहुंच पा रहे हैं। जिसके कारण गांव में ही उन्हें औने पौने दाम पर व्यापारियों के फसल एवं सब्जी बेचने को मजबूर हैं। तहसील मुख्यालय, ब्लॉक मुख्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य, रजिस्ट्री कार्यालय के एसीपी कार्यालय सोरांव में स्थित है। परन्तु प्रयागराज शहर जाने के लिए ग्रामीणों के साथ कर्मचारियों के लिए रोडवेज बस की सुविधा नहीं है। ब्लॉक में तैनात शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के साथ कर्मचारियों को प्रयागराज शहर से सोरांव आने जाने के लिए विक्रम टेंपो के अलावा कोई साधन उपलब्ध नहीं। जान जोखिम में डालकर कर रहे सफर ग्रामीणों के साथ कर्मचारी जान हथेली पर रखकर डग्गामार वाहन की सवारी करने को मजबूर हैं। सोरांव के साथ आस बाजारों के व्यापारी प्रयागराज शहर आने जाने के लिए निजी साधन न होने पर विक्रम टेंपो का सहारा लेना मजबूरी बन गई। उसके बावजूद रोडवेज विभाग सोरांव मुख्यालय से बस का संचालन नहीं कर रहा है। सोरांव के लोगों ने कई बार इलेक्ट्रिक बस चलाने की मांग किया परंतु आश्वासन के अलावा आज तक सुविधा नहीं मिल पाई। जनपद प्रयागराज मुख्यालय से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोरांव तहसील आलू का कटोरा कहा जाता है। सोरांव के किसान आलू की बंपर पैदावार कर भारत के कई प्रान्तों में आपूर्ति करते हैं। सोरांव तहसील मुख्यालय से किसानों को आने जाने के लिए सरकारी बस की सुविधा नहीं है। सोरांव तहसील मुख्यालय से जुड़े दर्जनों गांव के ग्रामीण सोरांव से डग्गामार वाहन के सहारे प्रयागराज शहर जाने को मजबूर हैं। तीन पहिया वाले डग्गामार वाहनों के चालक मनमानी किराया वसूल करते हैं। आए दिन डग्गामार वाहन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। तहसील के अधिवक्ता एवं क्षेत्रीय लोगों के पास डग्गामार वाहन के अलावा कोई विकल्प नहीं है। प्रतापगढ़, सुल्तानपुर से आने वाली रोडवेज बसें प्रयागराज शहर जाने के दौरान सोरांव में नहीं रुकती है। जिसके कारण सोरांव तहसील के सैकड़ों गांवों के लोग डग्गामार वाहन की यात्रा करने को मजबूर हैं। बोले जिम्मेदार जिन रूटों पर पहले से बस का संचालन हो रहा था, उनका पुनः सर्वे कराया जाएगा। इसके लिए सहायक प्रबंधक सड़क परिवहन निगम को निर्देशित किया जाएगा। इसके साथ ही आवश्यकता अनुसार अन्य रूटों पर परिवहन निगम की बसें चलाई जाएगी। –रविंद्र कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक, उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम

सोरांव कस्बा के साथ साथ जुड़े दर्जनों गांव के छात्र एवं छात्राएं प्रयागराज शहर में स्थित कोचिंग एवं कालेज पढ़ने के लिए जाते। बस की सुविधा न होने से बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। –राजीव कुमार ओझा, पूर्व महामंत्री बार एसोसिएशन सोरांव सोरांव तहसील मुख्यालय से जुड़े दर्जनो गांव के लोगों को प्रयागराज एवं छिवकी नैनी रेलवे स्टेशन जाने के लिए को कोई साधन नहीं है। ट्रेन पकड़ने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा। –अजीत कुमार मिश्र, अधिवक्ता सोरांव प्रयागराज शहर स्थित मार्केट से सामान लाने एवं ले जाने के लिए रोडवेज बस की सेवा उपलब्ध नहीं। सोरांव के मैकेनिक विक्रम एवं टेंपो के सहारे दो गुना किराया देखकर सफर कर रहे। रोडवेज बस सेवा होनी चाहिए। –नीरज पाल, इलेक्ट्रिक एवं सोलर सिस्टम मैकेनिक सोरांव प्रयागराज सोरांव क्षेत्र में रोडवेज बस की सुविधा होने से छोटे किसान शहर की मंडी तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। रोडवेज बस की सेवा आवश्यक है। जिसके लिए विभाग को गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। –प्रवीन कुमार पाल, कपुरी गोदाम सोरांव सोरांव से प्रयागराज शहर का सफर करने में सबसे अधिक महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महाकुंभ से पूर्व सोरांव से रोडवेज बस चल रही थी, अब बंद हो गई है। –सुरेश चौरसिया, अध्यक्ष, प्रयागराज व्यापार मंडल गंगापार एवं सोरांव होलागढ़ ब्लाक के साथ दर्जनों गांव के सामान्य नागरिक रोड़वेज बस सेवा न होने से प्रभावित हैं। शहर आने जाने में विशेष रूप से महिला शिक्षक एवं छात्राएं परेशान है। रोडवेज बस सेवा तत्काल शुरू होनी चाहिए। –सुबोध तिवारी, बलईमऊ, होलागढ़ सोरांव सोरांव से रोडवेज बस सेवा की सुविधा न होने से व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा। विक्रम के सहारे शहर का सफर तय करने के लिए व्यापारी मजबूर हैं। –चंदन मोदनवाल, व्यापारी सोरांव सोरांव तहसील मुख्यालय होने के साथ दर्जनों गांवों के लोग जुड़े हुए हैं। सोरांव के प्रमुख मार्गों पर इलेक्ट्रिक बस सेवा होनी आवश्यक है। –मनोज कुमार गुप्ता, व्यापारी एवं समाजसेवी

दस दिन में हो रही 122 दिन की मानसूनी बारिश मचा रही तबाही

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हुए शोध ने मानसून की बदलती तस्वीर उजागर की है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते अब भारत में महीनों तक फैली रहने वाली मानसूनी बरसात घटकर केवल 5 से 10 दिनों की तेज बारिश में सिमट गई है।

पहले पूरी मानसून अवधि यानी लगभग 122 दिनों में धीरे–धीरे जितनी बारिश होती थी, अब उतनी ही बारिश अधिक तीव्रता से पांच से दस दिनों में ही हो जाती है। अचानक होने वाली इस तेज बारिश से नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ता है, जिससे बाढ़ और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं बढ़ रही हैं।

इविवि स्थित के. बनर्जी वायुमंडलीय और महासागर अध्ययन केंद्र (के. बनर्जी सेंटर) में हुआ प्रो. सुनीत द्विवेदी का यह शोध इंग्लैंड के एरा–5 और भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के 84 वर्षों (1940–2024) के आंकड़ों के गहन विश्लेषण पर आधारित है। इसमें पाया गया कि मध्य भारत, पश्चिमी भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश में इस तरह की अनियमितता का असर सबसे अधिक है। कहीं लगातार सूखा पड़ रहा है, तो कहीं रिकॉर्ड तोड़ बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त हो रहा है। प्रो. द्विवेदी का यह शोध पत्र यूनाइटेड किंगडम के इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लाइमेटोलॉजी में 12 अगस्त को प्रकाशित हुआ है।

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहीं भारी बारिश की घटनाएं प्रो. द्विवेदी के अध्ययन में पता चला है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण भारत में भारी बारिश की घटनाएं अब जल्दी–जल्दी और लगातार हो रही हैं। पहले जहां ऐसी घटनाओं (असामान्य रूप से गंभीर मौसम या जलवायु की घटनाएं) के बीच लंबा अंतराल होता था, वहीं अब उनका समय घट गया है। शोध में पाया गया कि दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर, पूरे देश में आने वाले समय में भारी बारिश के क्रमिक समूह बनने की प्रवृत्ति और बढ़ेगी। 84 साल के आंकड़ों का ऐसे हुआ विश्लेषण के बनर्जी सेंटर में किए गए शोध में भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के 1940 से 2024 तक यानी पूरे 84 वर्षों के बारिश के आंकड़े जुटाए गए। इन आंकड़ों को कंप्यूटर आधारित सांख्यिकीय तकनीकों और आधुनिक मौसम विज्ञान की पद्धतियों से परखा गया। इसमें यह देखा गया कि हर साल कितने दिनों तक बारिश हुई, कितनी मात्रा में बरसात दर्ज की गई और किस क्षेत्र में बारिश की तीव्रता कितनी रही। लंबे समय तक बारिश होने और कुछ ही दिनों में तेज बारिश होने के फर्क की अलग–अलग ग्राफ और तालिकाओं में तुलना की गई। इसी आधार पर यह निष्कर्ष निकला कि पहले जहां 122 दिनों तक बारिश फैली रहती थी, वही अब बारिश घटकर 5 से 10 दिनों की बहुत तेज बरसात में सिमट गई है। इस तरह आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण से मानसून के बदलते पैटर्न की सच्चाई सामने आई।

भविष्य में और विनाशकारी हो सकता है मानसून प्रो. द्विवेदी ने बताया कि यदि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन यूं ही बढ़ता रहा तो भविष्य में मानसून और अधिक अनियमित और विनाशकारी हो जाएगा। इसका सीधा असर कृषि, अर्थव्यवस्था और करोड़ों लोगों की आजीविका पर पड़ेगा। उन्होंने जल संरक्षण, खेती के नए मॉडल और आपदा प्रबंधन की बेहतर तैयारी को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया है।

इंजीनियर ने की खौफनाक वारदात, पत्नी को मार कर कंबल में लपेटा शव और जला दिया

प्रयागराज। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले के विन्ध्यनगर थाना क्षेत्र के एनटीपीसी कॉलोनी में 15 अगस्त को एक इंजीनियर ने पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद मां की मदद से शव को कंबल में लपेटकर प्रयागराज में ले जाकर जला दिया। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी इंजीनियर और उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया है। प्रयागराज के करैली थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर रसूलपुर निवासी निखिल दुबे पुत्र स्व. किशोर कुमार दुबे सिंगरौली के विन्ध्यनगर में एनएंडटी कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। वह विन्ध्यनगर एनटीपीसी कॉलोनी में रहता है। 15 अगस्त को पानी मांगने पर निखिल का उसकी पत्नी आभ्या से विवाद हो गया। गुस्से में निखिल ने पत्नी का सिर किचन के प्लेटफार्म पर पटक दिया। इससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद सबूत मिटाने के लिए निखिल अपनी मां दुर्गेश्वरी देवी की मदद से शव को कंबल में लपेटकर प्रयागराज ले जाकर जला दिया। विंध्यनगर टीआई अर्चना द्विवेदी ने बताया कि 15 अगस्त को फतेहपुर से सुनील दुबे ने फोन पर सूचना दी कि उनके दामाद निखिल ने उन्हें बेटी की मौत की जानकारी दी है। जब मायके वालों ने प्रयागराज जाकर पता किया तो घर में ताला लगा था। इसके बाद उन्होंने पुलिस को विंध्यनगर में निखिल के आवास की जांच करने के लिए कहा। पुलिस ने निखिल के आवास का ताला तोड़कर जांच की लेकिन कुछ नहीं मिला। पुलिस को कंपनी के एचआर से जानकारी मिली कि निखिल ने वॉट्सएप कॉल पर बताया था कि उसने अपनी पत्नी का अंतिम संस्कार प्रयागराज के शंकरघाट स्थित इलेक्ट्रिक शवदाह गृह में किया है। पुलिस तुरंत प्रयागराज पहुंची और फुटेज खंगालना शुरू किया। जांच में सामने आया कि उसने पत्नी का शव कंबल में लपेटकर कार की पिछली सीट पर रखकर प्रयागराज ले गया।

भयहरण नाथ धाम में सामाजिक भंडारा 23 अगस्त को

26 को तीज के अवसर पर लगेगा हजारों महिलाओं का मेला

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरण नाथ धाम में सामाजिक भंडारा 23 अगस्त दिन शनिवार को होगा। ज़िसमें हजारों लोग प्रतिभाग करेंगे। 26 अगस्त को हरि तालिका तीज के अवसर पर हजारों महिलाएं भोले भयहरण महादेव के पूजन हेतु एकत्र होगी। दोनो अवसर पर सुव्यवस्था हेतु धाम की प्रबन्ध संस्था भयहरण नाथ क्षेत्रीय विकास संस्थान नें प्रशासन सहित नगर पंचायत व पुलिस विभाग को आवश्यक सहयोग हेतु पत्र लिख कर अनुरोध किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया की मुख्य पुजारी भोला नाथ तिवारी के मार्गदर्शन में सामूहिक रूप से परम्परागत सामाजिक भंडारा वर्षो की भाँति 23 अगस्त को अपराह्न 2 बजे से आयोजित हो रहा है जिसमें 15 से 20 हजार भक्त प्रतिभाग कर प्रसाद ग्रहण करेंगे। भंडारे का संयोजन प्रमुख कार्यकर्ता प्रदीप सिंह धोनू के देखरेख में सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारी अपनी भागीदारी कर रहे है। साथ ही 26 अगस्त को हरितालिका तीज के अवसर पर गत वर्षो की भाँति परंपरा गत रूप में अपराह्न 2 बजे से देर रात्रि तक तकरीबन 10 से 15 हजार महिलाओं का धाम में शुभागमन होगा। इस अवसर पर सुव्यवस्था हेतु प्रशासन से अपेक्षा के साथ साथ सभी मंदिरों के व्यवस्थापको से जरूरी व्यवस्था गत वर्षो की भाँति करने के निर्देश दिये गए है। कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र व स्वच्छता नायक राज कुमार को स्वच्छता के साथ सभी व्यवस्था में सहयोग हेतु जिम्मेदारी दी गई है। अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने प्रबन्ध समिति व मन्दिर मेला समितियों के साथ आवश्यक सहयोग व सहभागिता की जिम्मेदारी ली है।

महाकुम्भ से प्रेरित होकर तैयार कर रहे सनातनी गायक

प्रयागराज। पद्मश्री से सम्मानित प्रख्यात भजन गायक अनूप जलोटा ने पूरी दुनिया में सनातनी गायकों को प्रशिक्षित करने का संकल्प लिया है। उन्होंने इसकी नींव प्रयागराज में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन महाकुम्भ के दौरान 66 करोड़ से अधिक लोगों के पहुंचने के बाद मुंबई में रखी। मार्च के पहले सप्ताह में पद्मश्री ने मुंबई में जलोटा अकादमी की स्थापना की। उन्होंने इसकी जानकारी बुधवार को प्रयागराज में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने से पहले दी। भजन गायक अनूप जलोटा ने बताया कि पीएम नरेंद्र मोदी व उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में पूरी दुनिया ने महाकुम्भ की भव्यता को देखा। तभी मैंने तय किया था कि अब जीवन का उद्देश्य सनातन की अलख जगाने के लिए पांच सौ गायकों को तैयार करना है। एक वर्ष के भीतर सनातन मिशन के इस लक्ष्य को पूरा करना है। इसके लिए छह महीनों में दुनिया के बीस देशों की यात्रा की। अपने उद्देश्य के बारे में लोगों को जानकारी दी।

शिवशक्ति धाम मंदिर रामपुरम में भगवान श्री कृष्ण जी की छठी महोत्सव का आयोजन

मुज़फ्फरनगर। नगर के रामपुरम में स्थित सिद्धपीठ शिवशक्ति धाम मंदिर में मंदिर की कमेटी से जुड़े व रामपुरमवासियो द्वारा भगवान श्री कृष्ण जन्म महोत्सव पर मंदिर में श्री कृष्ण छठी महोत्सव का आयोजन किया गया। भगवान श्री कृष्ण को भोग लगाने के बाद भंडारे का आयोजन किया गया भंडारे में भक्तो की भारी भीड़ देखने को मिली हर भक्त आंनदित नजर आया महोत्सव में अर्वाचीन स्कूल के छोटे छोटे बच्चो ने मनमोहक प्रस्तुतियां प्रस्तुत कर मन मोह लिया। प्रस्तुति देने वाले बच्चो को मंदिर कमेटी की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को भव्य बनाने में मुख्य रूप से शिवशक्ति धाम मंदिर के संरक्षक अशोक गोयल अध्यक्ष अजय तायल, सचिव संदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता, प0 महिदर, सचिन मित्तल, अमित, अर्वाचीन स्कूल की प्राधानाचार्या बीना शर्मा, साधना तायल, यशोदा देवी, उर्मिला देवी, आयुषी शर्मा,सत्यवती,सुषमा, पूजा, नंदिनी , नूतन, सुधा, राजकुमारी, अनिता का मुख्य सहयोग रहा । आज के कार्यक्रम के यजमान अरोमा पेपर के मालिक श्री राजेश जैन, श्री संदीप जैन, सपना जैन, रितिका जैन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग दिया।

पुस्तक विमोचन एवं परिचर्चा

प्रयागराज। संचेतना के तत्वाधान में डॉक्टर आकांक्षा अग्रवाल की पुस्तक 'अज्ञेय के कथा साहित्य में सामाजिक संवेदना' का विमोचन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉक्टर धीरेंद्र वर्मा सभागार में हुआ। मंचस्थ प्रो. प्रणय कृष्ण ,मुख्य अतिथि डॉक्टर सुनील विक्रम सिंह ,अध्यक्ष प्रोफेसर राकेश सिंह, विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर लालसा यादव ने इस पुस्तक का विमोचन किया। डॉ राकेश सिंह ने अज्ञेय के कथा साहित्य में क्रांतिकारी तत्वों की पड़ताल की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर प्रणय कृष्ण ने

कहा कि प्रगतिशील आलोचना ने अज्ञेय के कथा साहित्य का मूल्यांकन तो किया लेकिन उनके कई रूप का मूल्यांकन नहीं किया। अज्ञेय एक मात्र कवि हैं जिन्होंने विभाजन की त्रासदी पर कविताएं लिखी हैं। पुस्तक की लेखिका डॉक्टर आकांक्षा अग्रवाल ने कहा कि अज्ञेय की कथा साहित्य पर व्यक्तिवाद का आरोप उचित नहीं है ।कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर सुनील विक्रम सिंह ने कहा कि अज्ञेय का बहु आयामी व्यक्तित्व हमें विस्तृत करता है । कार्यक्रम का संचालन युवा कवि देवेश पांडे तथा धन्यवाद ज्ञापन संचेतना के सचिव डॉ अनिल कुमार ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित लेखिका की माता उर्मिला गुप्त एवं अन्य परिजन एवं डॉ वीरेंद्र तिवारी डॉक्टर ,योगेंद्र प्रताप सिंह डॉक्टर ,सूर्यनारायण सिंह डॉक्टर सुजीत कुमार, सिंह डॉ विनम्र सेन सिंह, डॉ दिनेश कुमार ,डॉ शिवकुमार यादव ,डॉ सोनम राय ,डॉ अनुराधा सिंह, सौरभ मिश्रा, सौम्या राज ,आशुतोष मिश्रा ,दिव्या सिंह दीपांजलि मौर्य, दरक्षा बानो आदि।

सीएमपी डिग्री कॉलेज के विधि संकाय में दूसरे सत्र का आयोजन

प्रयागराज। सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के विधि संकाय, बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) विभाग ने दिनांक 21 अगस्त 2025 को अपनी ''डिस्टिंग्विश्ड लेक्चर सीरीज़'' के दूसरे सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह व्याख्यान "भारत के विशेष संदर्भ में अंतरिक्ष कानून" विषय पर केंद्रित था और इसमें बी.

ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सत्र की शुरुआत वक्ता के औपचारिक स्वागत और विषय के परिचय के साथ हुई, जिसे ''श्रीमती रेनू सिंह'' ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात व्याख्यान ''सुश्री निवेदिता कौंडिन्य, संकाय सदस्य, बी.ए.एलएल.बी. (ऑनर्स)'' द्वारा दिया गया। उन्होंने विकसित होते अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष परिदृश्य पर उपयोगी दृष्टिकोण प्रस्तुत किए और भारत की अंतरिक्ष नीति के प्रमुख पहलुओं को रेखांकित किया। संवादात्मक व्याख्यान ने छात्रों की समझ को समृद्ध किया और उन्हें अंतरिक्ष संबंधी कानूनी चुनौतियों, अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत की बढ़ती भूमिका तथा राष्ट्रीय अंतरिक्ष शासन को आकार देने में अंतरराष्ट्रीय संधियों की प्रासंगिकता से अवगत कराया।

यह शैक्षणिक पहल सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज के प्राचार्य 'प्रो. अजय प्रकाश खरे' की दूरदृष्टि को परिलक्षित करती है तथा इसका आयोजन श्रीमती रेनू सिंह, समन्वयक, बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) के सक्षम मार्गदर्शन में किया गया।

''डिस्टिंग्विश्ड लेक्चर सीरीज़'' का उद्देश्य कानून के छात्रों को पारंपरिक पाठ्यक्रम से परे नए उभरते विधिक क्षेत्रों से परिचित कराना है, जिससे उनका दृष्टिकोण व्यापक हो तथा वे विविध विधिक करियर के लिए तैयार हो सकें।

केएमयू के ओरिएंटेशन में पहुंचे नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं को सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज ने दिया सकारात्मक–आध्यात्मिक ज्ञान

विज्ञान और सनातन एक साथ होकर चले तो भारत विश्वगुरू बन जाएगा: सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज

एयर होस्टेस शैली अपनाकर करनी चाहिए श्रीकृष्ण यात्रा, तभी आप होंगे सफल : सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज

संस्कारवान पुरुष में ही पाई जाती है शिक्षा और विद्या : कुलाधिपति

मथुरा। केएम विश्वविद्यालय में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए नवप्रवेशी छात्र परिचय कार्यक्रम 'दीक्षारंभ–2025–26' का भव्य शुभारंभ हवन–यज्ञ के साथ किया गया, जिसमें विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी सहित कुलपति डा. एनसी प्रजापति, प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डा. पूरन सिंह और मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने यज्ञ में आहुति देकर की। केएम विश्वविद्यालय में हवन यज्ञ के पश्चात शैक्षणिक सत्र के पहले दिन ऑडिटोरियम पहुंचे सैकड़ों की संख्या में नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं को दीक्षारंभ ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की उपलब्धियां और आने वाले वर्षों में विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा के बारे में जानकारी दी गई।

ओरिएंटेशन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वृंदावन आनंदम धाम से पधारे सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज जी ने जीवन, शिक्षा और सकारात्मक–आध्यात्मिक सोच के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और 16 कलाओं से परिपूर्ण श्रीकृष्ण के जीवन में सुदामा चरित्र पर प्रकाश डाला और कहा विज्ञान बहुत उन्नत हो चुका है, अब इसे रोक देना चाहिए, यंत्र व मशीनों पर हम जी रहे हैं। दुनिया में 76 प्रतिशत लोग तनाव में जी रहे हैं, हर परिवार में एक पागल (तनावग्रस्त)व्यक्ति होता है। जीवन की विद्या अलग है और जीविका की विद्या अलग है। आपका भौतिक जीवन एयर होस्टेस(हवाई यात्रा में अभिनंदन करने वाला व्यक्ति/महिला) का है आपको उस शैली का प्रयोग करते हुए आपको सुख–दुख को साथ रखकर आनंदित होकर श्रीकृष्ण की यात्रा करनी चाहिए। क्योंकि श्रीकृष्ण सदा आनंदित रहते थे, सनातन में हमेशा विज्ञान है। अगर विज्ञान और सनातन एक साथ होकर चले तो भारत विश्वगुरू बन जाएगा। पुराणकाल में भारत सोने की चिड़िया थी। पश्चिमी सभ्यता को अपना कर मॉडल कहलाना मात्र भ्रम है। केएम विश्वविद्यालय से आप शिक्षा के साथ जीविका की विद्या लेकर निकले और आनंद, खुशी के साथ यात्रा शुरू करे जो एयर होस्टेस से कृष्ण तक पहुंचेगी। शास्त्रों में सब कुछ सही लिखा है गुरु ही इन्द्रियों का भविष्य तय करने वाला है। स्टूडेंट का सही संचालन पूरी प्रकृति को जीवन का अंदाज देने जैसा है। इसलिए खुश और आनंदित रहकर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति कर कामयाब हो सकते है।

विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा विद्या शिक्षा कहीं भी मिल सकती है विद्या होती है उसमें शिक्षा व संस्कार होते है। शिक्षित व्यक्ति में विद्या होती है तो उसमें अच्छे संस्कार पाये जाते है। आप जैसा सोचोगे वैसे ही बन जाओगे। इस दौरान कुलाधिपति ने मर्यादा पुरुषोत्तम राम और योगीराज श्रीकृष्ण के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्र–छात्राओं को अच्छे मित्र बनाने की सलाह दी।

विवि के सलाहाकार डा. एसपी गोस्वामी ने विद्यार्थियों से जीवन, कॅरिअर और सफलता से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण सूत्र साझा किए। अपने अनोखे अंदाज में उन्होंने स्लाइड्स, प्रेरक शेरो–शायरी और कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल मार्गदर्शन दिया, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता की ओर प्रेरित किया। प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल ने कहा नवप्रवेशित विद्यार्थी अब परंपरागत पाठ्यक्रम के बाद तकनीकी एवं व्यवसायिक पाठ्यक्रम से जुड़े हैं, जहां से विद्यार्थी जीवन को नई दिशा मिलेगी। कुलसचिव डा. पूरन सिंह ने कहा विद्यार्थी जीवन में ये जो आने वाले साल हैं, ये सिर्फ एक डिग्री पाने के लिए नहीं, बल्कि अपने आपको निखारने के साल हैं। यहां जो आप सीखेंगे, वही आपकी सोच बनाएगा, आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। सीईओ मनोज कुमार ओझा ने कहा विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है ताकि वे जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि यहां न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाती है बल्कि सांस्कृतिक, खेल और रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को निखारा जाता है।

इससे पूर्व ओरिएंटेशन का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विवि के कुलाधिपति ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया तथा मुख्य अतिथि सद्गुरु ऋतेश्वर जी का विवि के चांसलर ने श्रीराधाकृष्ण की प्रतिमा भेंट कर स्वागत–सम्मान किया और आर्शीवचन लिया।

केएम विश्वविद्यालय में विवि में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में स्नातक स्तर पर बी.टेक, बी. फॉर्मा, बीएससी, बायोटेक, बीए, बीकॉम, बीए और बीकॉम एलएलबी ऑनर्स, डिप्लोमा इन फॉर्मेसी, स्नातकोत्तर स्तर पर एमटेक, एमवीए, एम. फॉर्मा (फार्माकोलॉजी एंड फार्मास्यूटिक्स) आदि कोसों के नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं ने ओरिएंटेशन में शिरकत की है, इसके अलावा विशेष आमंत्रित आरके पांडेय, वेटरिनरी एसोसिएशन डीन डा. पीताम्बर सिंह, विवि के सब रजिस्ट्रार सुनील अग्रवाल, एडमिशन हैड समीक्षा भारद्वाज, खोल डायरेक्टर आरके शर्मा, दीपक, अनिल, देवेन्द्र असिटेंट रजिस्ट्रार के अलावा संकाय के डीन, प्रोफेसर अन्य विवि का स्टाफ मौजूद रहा।

समाजवादी महिला सभा ने वोट चोरी व वोटर लिस्ट गड़बड़ी पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

लोकतंत्र बचाने को वोट चोरी नहीं होने देंगे: सुषमा सैनी

मुजफ्फरनगर। वोट चोरी,एस आई आर के नाम पर बिहार में 65 लाख से अधिक वोट के अधिकार पर लुट यूपी में वोट चोरी करने वाले जिलाधिकारियों पर कार्यवाही की मांग को लेकर समाजवादी महिला सभा जिलाध्यक्ष सुषमा सैनी के नेतृत्व में भारी संख्या मे महिला कार्यकर्ताओं ने समाजवादी पार्टी कार्यालय से इकट्ठा होकर महावीर चौक से प्रकाश चौक कचहरी होते हुए प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची। जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना देते हुए ष्वोट चोरी बंद करोष् ष्लोकतंत्र की हत्या बंद करोष् चुनाव आयोग की संदिग्ध गतिविधियों को बंद करोष् एस आई आर के नाम पर वोट लूटना बंद करो जैसे नारों के साथ धरना दिया गया।

धरने को संबोधित करते हुए समाजवादी महिला सभा जिलाध्यक्ष सुषमा सैनी ने कहा कि आज का धरना समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रेरणा व समाजवादी महिला सभा प्रदेश अध्यक्ष रीबू श्रीवास्तव के प्रदेश व्यापी आह्वान पर किया गया है। हमारी मांगे है कि लगातार भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता व विश्वसनीयता को खोकर देश के मतदाताओं के वोट चोरी व वोटर लिस्ट में भारी गड़बड़ी जानबूझकर होने दे रहा है। 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में भी लाखों वोटो की चोरी फर्जी रूप से मृतक व लापता बताकर की गई थी जिसकी शिकायत चुनाव आयोग को समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा 18000 शपथपत्रों के अकाट्य साक्ष्यों के साथ करने पर भी चुनाव आयोग द्वारा वोट चोरी के जिम्मेदार जिलाधिकारियों पर कोई कार्यवाही न होना लगातार चुनावों में पुलिस प्रशासन के जरिए वोट व बूथ की लूट पर अधिकारियों पर कार्यवाही न होने तथा पांच बजे के बाद आश्चर्यजनक बड़े हुए मतदान की सीसीटीवी रिकॉर्ड न देने से चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था की कमजोरी लोकतंत्र के लिए खतरा है।

जिलाध्यक्ष सुषमा सैनी महानगर अध्यक्ष हेमानी सिंह समाजवादी बाबा साहब अंबेडकर वाहिनी राष्ट्रीय सचिव पूजा अंबेडकर ने अपने संबोधन में कहा कि ष्.ष्त के नाम पर बिहार में 65 लाख से अधिक मतदाताओं खासकर पिछड़ों दलितो अल्पसंख्यको की वोट होने चोरी होने पर चुनाव आयोग सभी शिकायतों की अनदेखी कर रहा है। भाजपा द्वारा वोट चोरी की साजिश पर चुनाव आयोग की खामोशी लापरवाही लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। मतदाताओं में इस साजिश से डर का माहौल है। विपक्ष की वोटो को चिन्हित करके चोरी किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी महिला सभा मतदाताओं के हित व लोकतंत्र को बचाने की मांग करती है। इन्हीं मांगो को लेकर समाजवादी महिला सभा द्वारा महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से अपर जिलाधिकारी प्रशासन को सौंपा गया। धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष श्यामलाल बच्ची सैनी, समाजवादी महिला सभा की पूर्व जिलाध्यक्ष प्रभा यादव, जिला मीडिया प्रभारी साजिद हसन, जिला उपाध्यक्ष शमशेर मलिक,पूर्व जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा डॉ इसरार अल्वी, सपा नेता नासिर खान,समाजवादी महिला सभा जिला महासचिव वकीला बेगम,नगर अध्यक्ष मीरापुर संतलेश,ब्लॉक अध्यक्ष पुरकाजी सोनिका पाल, प्रियांशी निक्की,रिया पाल, काजल,हरबीरी, सुमन, सरीता, पूनम, फातमा बेगम, मानसी, गुल्फ़शा,निशॉ कात्यान, परमिता,लक्ष्मी रानी,मंजू ललिता, लीलावती, विपाशा,कमलेश, पिंकी, सोनिया,रोशनी,मधु सहित सैकड़ों महिलाए मौजूद रही।

दलित–मुस्लिम एकता मंच का गाजियाबाद में जन सम्पर्क अभियान

गाज़ियाबाद। दलित–मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय महासचिव विजय कुमार कुशवाह एंव राष्ट्रीय सचिव श्रीमती फुल कुमारी कुशवाह तथा उत्तर प्रदेश अध्यक्ष प्रीत पाल सिंह खोसला के नेतृत्व में जनपद गाज़ियाबाद की जिला इकाई तथा महानगर गाज़ियाबाद की महानगर इकाई की ओर दलित–मुस्लिम एकता मंच को जनपद एंव महानगर मे मजबूत करने के लिए तथा दलित–मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध के हाथों को मजबूत करने के लिए संयुक्त रूप से चलाये जा रहे जन–सम्पर्क अभियान के अन्तर्गत दिनाँक 24/08/2025 को दिन रविवार को समय दोपहर 12 बजे से नंदग्राम तथा विवेकानंद आदि में जन– सम्पर्क अभियान चलाया जायेगा इस कार्यक्रम में दलित–मुस्लिम एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सुरेन्द्र कुमार बौद्ध भी उपस्थित रहेंगे यह जानकारी राष्ट्रीय महासचिव विजय कुमार कुशवाह ने दी है तथा जनपद गाज़ियाबाद की जिला इकाई एंव महानगर इकाई के समस्त पदाधिकारियों को सूचित किया जाता है कि सभी पदाधिकारी गण इस कार्यक्रम में समय पर पहुचने का कष्ट करें।

नदियाँ पैर पसार

(कुण्डलिया)

जंगल वन उपवन घटे, घटा गाँव विस्तार।
गीत गा रहीं बाढ़ का, नदियाँ पैर पसार।
नदियाँ पैर पसार, साथ ले जाती मस्ती।
गायब है मुस्कान, मौन है सारी बस्ती।
सुन लो कहें प्रदीप,प्रकृति से मतकर दंगल।
गाँवों को कह श्रेष्ठ, बचाओ उपवन जंगल।।

मानव–दोहन से हुईं, नदियाँ जब लाचार।
बादल से कहने लगीं, करो तनिक उपचार।
करो तनिक उपचार,गरज कर झमझम बरसो।
रखना इतना याद,नहीं आपस में बहसो।
सुन लो कहें प्रदीप, देख बारिश का तांडव।
लुप्त हुए तटबन्ध, परेंशा हैं सब मानव।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मन के स्वप्न

मन चंचल है,मन चिंतित है,
मन अर्धमग्न है,मन किंचित है।

मन को कैसे समझाएं प्यारे,
मन तो सत्य से वंचित है।

मन के भीतर तो,अक्सर वे बातें ही गुंजित है,
जिसमें कहीं हुआ निरादर,या कहीं वह निंदित है।

ध्यान दें जो इन बातों पर,वे मन तो कुंठित है,
इन बातों से जो करें उपेक्षा,वे मन ही तो पंडित है।

कहीं मन है नाखुश,तो कहीं पर मन रंजीत है,
कहीं मन है गतिशील,तो कहीं पर मन स्तंभित है।

मन कहीं पर है निशंक,तो कहीं पर मन शंकित है,
मन कहीं पर है अक्षुण्ण,तो कहीं पर मन खंडित है।

मन चंचल है,मन चिंतित है,
मन अर्धमग्न है,मन किंचित है।

मन को कैसे समझाएं प्यारे,
मन तो सत्य से वंचित है...

'लेखकः – {आशीष कुमार सैनी}
पुराछात्र– इलाहाबाद विश्वविद्यालय
जनपद प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

'रचनात्मकता और नवाचार' पर आमंत्रित व्याख्यान

प्रयागराज। संस्थान की नवाचार परिषद (आईआईसी) के तत्वावधान में प्राणी विज्ञान विभाग ने 21 अगस्त, 2025 को ष्रचनात्मकता और नवाचारष् पर एक व्यावहारिक आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम को डॉ. निधि त्रिपाठी, आईआईसी के सदस्य, सहायक प्रोफेसर, जूलॉजी विभाग ने आयोजित किया।सत्र की अतिथि वक्ता डॉ. मोनिशा सिंह, सहायक प्रोफेसर, फैशन डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज) थी, जिन्होंने रचनात्मकता और नवाचार

पर मूल्यवान ज्ञान साझा किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. विनीता जायसवाल, विभाग के संयोजक ने स्वागत भाषण से किया। आईआईसी के संयोजक प्रोफेसर अर्चना पांडे ने संस्थान नवाचार परिषद के उद्देश्यों और गतिविधियों का अवलोकन प्रदान किया। व्याख्यान में सभी संकाय सदस्यों, शोध छात्रों के साथ–साथ एम एस सी और बी एस सी छात्रों ने भाग लिया। कार्यवाही सुश्री सिमोनी सिंघल द्वारा कुशलता से आयोजित की गई थी, और जूलॉजी विभाग की शोध छात्रा सुश्री रिचा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

सम्पादकीय.....

सेवा की सजा

इसमें दो राय नहीं कि जब भी मूल रूप से जेल की अवधारणा का विकास हुआ होगा, तो उसका मकसद भटके लोगों के जीवन में सुधार ही रहा होगा। किसी सभ्य समाज के कायदे–कानून तोड़ने वाले, भटके हुए लोगों को जेल के एकाकी जीवन में आत्ममंथन का समय देने का भी मकसद रहा होगा। साथ ही यह भी अहसास कराना होगा कि समाज से विलग रहने के क्या मायने हैं। वहीं दूसरी ओर जीवन मूल्यों व सामाजिकता का अहसास कराना भी मकसद रहा होगा। दरअसल, भारतीय न्याय संहिता, 2023 पर आधारित नई व्यवस्था छोटे अपराधों के लिए दोषियों को जेल भेजने के बजाय समाज सेवा करने का अवसर देती है। ताकि उन्हें अपनी गलती का अहसास हो और उत्तरदायित्व के साथ सामाजिकता का बोध हो सके। हरियाणा सरकार द्वारा जारी सामुदायिक सेवा दिशानिर्देश, 2025 की अधिसूचना आपराधिक न्यायिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है। जिसका लक्ष्य दंड देने के बजाय सुधार व बदलाव है। ऐसे समय में जब देश की जेलें कैदियों की निर्धारित संख्या से कहीं अधिक बोझ उठा रही हैं। विचाराधीन कैदियों की संख्या 76 फीसदी से अधिक है, राज्य की यह पहल कम जोखिम वाले अपराधियों के लिये कारावास का सकारात्मक विकल्प प्रदान करती है। निस्संदेह, इस पहल का दायरा व्यापक होने के साथ ही उद्देश्यपूर्ण भी है। यह व्यवस्था कम संगीन अपराधों के लिये दोषियों को पार्कों के रखरखाव, अस्पतालों में मरीजों की सहायता करने, आंगनबाडिघ्यों में योगदान देने, ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण, स्वच्छ भारत तथा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ जैसे राष्ट्रीय अभियानों में योगदान के लिये प्रेरित करती है। इस बाबत जारी दिशा–निर्देश किशोरों के लिये भी भूमिकाएं निर्धारित करते हैं। मसलन, नेशनल कैडिट कोर प्रशिक्षण, राष्ट्रीय सेवा योजना, पर्यावरण परियोजनाएं तथा महिलाओं के लिये प्रसूति वार्ड व शिशु देखभाल केंद्र जैसे सुरक्षित स्थानों पर सेवा करने का अवसर प्रदान करती है। निश्चय ही नई व्यवस्था जहां एक ओर अपराधियों को उनके अपराध का प्रायश्चित करने का अवसर प्रदान करती है, वहीं समाज में उनके योगदान को बढ़ावा देती है। दरअसल, हरियाणा मॉडल के तहत की जाने वाली पहल, उसे अन्य राज्यों के प्रयासों से विशिष्टता प्रदान करती है। जैसे कि दिल्ली में 40 से 240 घंटे की सेवा निर्धारित करने वाली नीति से अलग, इसके परिचालन का विवरण, इसे विश्वसनीय बनाता है। इसके अंतर्गत बायोमेट्रिक उपस्थिति, जियो–टैग की गई तस्वीरें, वीडियो प्रमाण और प्रगति रिपोर्टिंग सत्यापन इसकी सार्थकता सुनिश्चित करती है। चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों को गौशालाओं और वृद्धाश्रमों में सेवा करने की सजा और जम्मू की एक अदालत द्वारा अपराधियों को स्वास्थ्य केंद्र और पार्क की सफाई करने के लिये बाध्य करने का आदेश यह दर्शाता है कि सामुदायिक सेवा समाज को लाभ पहुंचाने के साथ ही भटके व्यक्ति के व्यवहार को कैसे नया रूप दे सकती है। निस्संदेह, इस सुधार अभियान को सफल बनाने के लिये सुरक्षा उपाय भी बेहद जरूरी हैं। इस बात में सावधानी बरती जानी चाहिए कि समाज में बार–बार अपराध करने वालों को इस व्यवस्था से बाहर रखा जाए। दूसरा, इससे जुड़ी निगरानी पारदर्शी और मजबूत होनी चाहिए। जिसमें सावधानी से निगरानी और चूक करने पर त्वरित दंड की व्यवस्था भी शामिल है। दूसरा उनके कार्य के परिणाम का मूल्यांकन होना चाहिए कि अभियुक्त अपना काम ईमानदारी से कर रहे हैं। इस बात का भी मूल्यांकन होना चाहिए क्या पीड़ितों को इस तरह की सजा दिए जाने से राहत मिली है। यह भी कि क्या समाज में अपराध की पुनरावृत्ति कम हुई है। यह इस व्यवस्था का सकारात्मक पक्ष है कि छोटी–मोटी गलतियों को यह सामाजिक ऋण चुकाने के अवसर में बदल देता है। साथ ही कारावास से होने वाले नुकसान को कम करता है। कई बार जेल के हालात, विषम परिस्थितियों में भूलवश अपराध करने वाले व्यक्ति को पेशेवर अपराधी बना देते हैं। नई पहल से अपराधी में नागरिक उत्तरदायित्व बोध का भी विकास होता है। यदि इस अभियान को विवेकपूर्ण तरीके से आगे बढ़ाया जाता है तथा ऐसे लोगों की सतर्क निगरानी की जाती है तो यह राष्ट्र के लिये सुधारात्मक न्याय का एक मॉडल भी बन सकता है।

उपराष्ट्रपति पद और विचारधारा का चुनाव

डॉ. दीपक पाचपोर

गैर राजनैतिक पृष्ठभूमि से आने वाले श्री रेड्डी का मुकाबला एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। जो इस समय महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। उससे पहले दो बार सांसद रह चुके हैं।

मोदी सरकार की किसी भी मामले में मनमानी अब विपक्ष चलने नहीं देगा, इसका एक और उदाहरण सामने आ चुका है। 9 सितम्बर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। गैर राजनैतिक पृष्ठभूमि से आने वाले श्री रेड्डी का मुकाबला एनडीए उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन से होगा। जो इस समय महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। उससे पहले दो बार सांसद रह चुके हैं। तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष पद को भी संभाल चुके हैं। सी पी राधाकृष्णन के सुदीर्घ राजनैतिक अनुभव और भाजपा के लिए एकनिष्ठता को देखते हुए ही नरेन्द्र मोदी ने उनका नाम उपराष्ट्रपति पद के लिए आगे बढ़ाया। लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि अगले साल होने वाले तमिलनाडु चुनाव में भाजपा सी पी राधाकृष्णन के नाम को भुनाना चाहती है। तमिलनाडु में भाजपा का जनाधार है ही नहीं और एआईएडीएमके के कारण जो थोड़ी बहुत पैठ थी, वो भाषायी विवाद से प्रभावित हो चुकी है। डीएमके की मजबूती भाजपा की तमिलनाडु में उम्मीदों को पूरा नहीं होने दे रही है। ऐसे में तमिलनाडु से उपराष्ट्रपति बनाकर भाजपा ने बड़ा दांव चलने की तैयारी कर ली थी। भाजपा को खुशफहमी थी कि विपक्ष थोड़ी बहुत ना नुकुर के बाद सी पी राधाकृष्णन के नाम पर हामी भर देगा। लेकिन विपक्षी दलों के नेताओं से विचार विमर्श के बाद मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बी सुदर्शन रेड्डी के नाम की घोषणा की। खरगे ने कहा कि सुदर्शन रेड्डी के नाम पर सर्वसम्मति से सहमति बनी। इंडिया ब्लॉक की बैठक में श्री रेड्डी के नाम पर मुहर लगी थी। इसके साथ कांग्रेस अध्यक्ष ने एक जरूरी बात कही कि यह विचारधारा की लड़ाई है। संदेश स्पष्ट है कि अब विचारधारा की लड़ाई को किसी भी तरीके विपक्ष छोड़ेगा नहीं, फिर चाहे वह संवैधानिक पद ही क्यों न हो। दरअसल इंडिया गठबंधन ने सुदर्शन रेड्डी को उतारकर यह संदेश देने की कोशिश की है कि वह संविधान, न्यायपालिका और पारदर्शिता के पक्षधर चेहरे को आगे रख रहा है। विपक्ष का मानना है कि श्री रेड्डी की साफ–सुथरी छवि और न्यायिक अनुभव उन्हें उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार बनाता है। सुप्रीम कोर्ट से रिटायर होने के बाद बी सुदर्शन रेड्डी को गोवा का पहला लोकायुक्त नियुक्त किया गया था, जहां उन्होंने ईमानदार और सख्त छवि वाले अधिकारी के रूप में काम किया। भ्रष्टाचार के मामलों में उन्होंने बिना दबाव के जांच की और पारदर्शिता की पैरवी की। इसलिए उनसे उम्मीद बंधी है कि अगर वे उपराष्ट्रपति बनते हैं तो फिर बिना भेदभाव के कार्य करेंगे। जबकि सी पी राधाकृष्णन ने उम्मीदवारी घोषित होने के बाद जो आभार जताया है, उसमें नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, जे पी नड्डा सबके लिए बार–बार सम्मानित और प्रिय लिख कर बता दिया कि अगर वे उपराष्ट्रपति बनते हैं तो भाजपा की तरफ झुकने से खुद को बचाना उनके लिए कठिन होगा। बहरहाल, देश में अब बिहार चुनाव से पहले उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच मुकाबला होगा। वैसे भारत के संसदीय इतिहास में उपराष्ट्रपति पद के लिए राजनैतिक दांव–पेंच बहुत कम देखने मिले। अमूमन सत्ता और विपक्ष की सहमति से एक ऐसा नाम तय कर लिया जाता था, जिसे संविधान का ज्ञान हो, संवैधानिक मर्यादाओं का ख्याल हो और उपराष्ट्रपति पद की गरिमा के अनुरूप दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जो कार्य कर सके। मोदी सरकार के आने के बाद यह परंपरा टूटने लगी। पिछले बार जगदीप धनखड़ और मार्गरेट अल्वा के बीच चुनाव हुआ था, जिसमें श्री धनखड़ जीत गए थे। लेकिन उनके कार्यकाल में कई किस्म के विवाद खड़े हुए। नौबत तो ऐसी आ गई थी कि पिछले साल दिसंबर में श्री धनखड़ पर पक्षपात के गंभीर आरोप लगाते हुए विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस तक दे दिया था। हालांकि अविश्वास प्रस्ताव खारिज हो गया, लेकिन इससे यह तो जाहिर हो ही गया कि उपराष्ट्रपति पद पर बैठे जगदीप धनखड़ नीर–क्षीर विवेक की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। उनके कार्यकाल में राज्यसभा में अपवाद स्वरूप ही ऐसे दिन रहे होंगे, जब विपक्ष और उनके बीच बहस न हुई हो। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के आखिरी सत्रों में और तीसरे कार्यकाल में भी विपक्ष के साथ सभापति के तनाव का सिलसिला तेज हुआ। लेकिन इस बार मानसून सत्र की शुरुआत के साथ ही पहले दिन जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दे दिया। यह अब तक रहस्य ही है कि जगदीप धनखड़ कहां हैं, किस हाल में हैं, क्या वाकई उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था, जिसे कारण बताकर ही उन्होंने पद छोड़ा, अगर स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उनका इलाज किस अस्पताल में चल रहा है, घर पर चल रहा है तो उसका कोई अपडेट क्यों नहीं है, क्यों इस्तीफे के दिन से अब तक किसी भी भाजपा नेता के साथ न उनका कोई संवाद सामने आया, न मुलाकात की तस्वीरें दिखीं। नरेन्द्र मोदी ने रुखा सा ट्वीट कर उनके कार्यकाल का जिक्र किया था, स्वास्थ्य लाभ की बात कही थी, लेकिन उसका भी जवाब धनखड़जी ने नहीं दिया। 79 सालों में ऐसा कभी नहीं हुआ जब देश में इतने महत्वपूर्ण पद पर बैठे व्यक्ति को यूं लापता होना पड़े। यह पूरा प्रकरण मोदी सरकार के कामकाज के तरीकों पर गंभीर सवाल उठाता है। लेकिन सुर्खियों का प्रबंधन मीडिया से कैसे करवाना है, यह भाजपा को खूब आता है।

राजनीतिक भ्रष्टाचार व अपराध को मिटाने के लिए भाजपा द्वारा लाए हुए तीन नए कानूनों के सियासी मायने समझिये

कमलेश पांडे

देश में यथार्थवादी सियासत को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रवादी स्वभाव की भारतीय जनता पार्टी अक्सर राजनीति की उन दुःखती हुई रगों पर ही हाथ डालती आई है जो इस सद्भावी देश व समरस समाज को बदलने की कुव्वत रखते हैं। इससे सोकॉल्ड सेक्यूलर्स, समाजवादियों व साम्यवादियों की बौखलाहट देखते ही बनती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित भाजपा की दशक भर से ज्यादा देशव्यापी सियासी सफलता का राज भी यही है। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गत बुद्धवार को एकजुट विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच सदन में जो 'संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025', 'संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक, 2025' और 'जम्मू कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025' को पेश किया और उसके बाद उनके ही प्रस्ताव पर सदन ने तीनों विधेयकों को संसद की संयुक्त समिति को भेजने का जो निर्णय लिया, वह देश व स्वस्थ समाज की स्थापना की दिशा में एक और बहुत ही उपयोगी पहल है। दरअसल, यह भाजपा का एक ऐसा मास्टरस्ट्रोक है, जिससे न केवल शरारती विपक्ष चारो खाने चित्त हो जाएगा, बल्कि अपने भ्रष्टाचारी सियासी मिजाज और अपराध को बढ़ावा देने के स्वभाव या फिर उससे आंखें मूंदे रखने के स्वभाव की भारी राजनीतिक कीमत भी उन्हें चुकानी पड़ेगी। दिलचस्प बात तो यह है कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी आदि ने जिस अदूरदर्शी तरीके से इन प्रस्तावित तीनों विधेयकों का विरोध किया है, उससे उसकी भी भ्रष्ट व आपराधिक मनोवृति को संरक्षण देने वाली कलई खुल चुकी है। यही वजह है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो टूक लहजे में कहा है कि अब देश की जनता को यह तय करना होगा कि क्या जेल में रहकर किसी मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री का सरकार चलाना उचित है? अथवा नहीं! बता दें कि इससे पहले गृहमंत्री शाह ने गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार किए गए और लगातार 30 दिन हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयक लोकसभा में पेश किए, जिन्हें सदन ने अध्ययन के लिए संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) को भेजने का फैसला किया। दरअसल, एक ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने आप को कानून के दायरे में लाने का संविधान संशोधन पेश किया है, तो दूसरी ओर ''कानून के दायरे से बाहर रहने, जेल से सरकारें चलाने एवं कुर्सी का मोह न छोड़ने के लिए'' कांग्रेस के नेतृत्व में पूरे विपक्ष ने इसका विरोध किया है। इसलिए सजग जनता उनको मुंहतोड़ जवाब देगी। देखा जाए तो दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जिस तरह से जेल में रहकर दिल्ली की सरकार चलाई, उसके दृष्टिगत ऐसा विधेयक लाना केंद्र सरकार के लिए नितांत जरूरी हो गया था। इसलिए सरकार ने पूरी तैयारी के साथ इसे लोकसभा में प्रस्तुत कर दिया। मौजूदा तीनों विधेयक देश में राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी सरकार की प्रतिबद्धता और जनता के आक्रोश को देखकर अमित शाह ने संसद में लोकसभा अध्यक्ष की सहमति से संवैधानिक संशोधन विधेयक पेश किया, ताकि महत्वपूर्ण संवैधानिक पद, जैसे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री जेल में रहते हुए सरकार न चला पाएं। मसलन, इस विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में गिरते जा रहे नैतिकता के स्तर को ऊपर उठाना और राजनीति में शुचिता लाना है। वाकई इन तीनों विधेयक से जो कानून अस्तित्व में आएगा, वह यह है कि ष्कोई भी व्यक्ति गिरफ्तार होकर जेल से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र या राज्य सरकार के मंत्री के रूप में शासन नहीं चला सकता है।'' इसलिए शाह ने यह स्पष्ट कहा कि, ''संविधान जब बना, तब हमारे संविधान निर्माताओं ने यह कल्पना भी नहीं की थी कि भविष्य में ऐसे राजनीतिक व्यक्ति भी आएंगे, जो गिरफ्तार होने से पहले नैतिक मूल्यों पर इस्तीफा नहीं देंगे।'' वाकई विगत कुछ वर्षों में, देश में ऐसी आश्चर्यजनक स्थिति उत्पन्न हुई कि मुख्यमंत्री या मंत्री बिना इस्तीफा दिए जेल से अनैतिक रूप से सरकार चलाते रहे। बकौल शाह, इस विधेयक में आरोपी नेता को गिरफ्तारी के 30 दिन के अंदर अदालत से जमानत लेने का प्रावधान भी दिया गया है। अगर वे 30 दिन में जमानत प्राप्त नहीं कर पाते हैं, तो 31वें दिन या तो केंद्र में प्रधानमंत्री और राज्यों में मुख्यमंत्री उन्हें पदों से हटाएंगे, अन्यथा वे स्वयं ही कानूनी रूप से कार्य करने के लिए अयोग्य हो जाएंगे। जबकि कानूनी प्रक्रिया के बाद ऐसे नेता को यदि जमानत मिलेगी, तब वे अपने पद पर पुनः आसीन हो सकते हैं। वहीं, शाह ने कांग्रेस को इंगित करते हुए कहा कि देश को वह समय भी याद है, जब इसी महान सदन में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने संविधान संशोधन संख्या–39 से प्रधानमंत्री को ऐसा विशेषाधिकार दिया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई भी कानूनी कार्रवाई नहीं हो सकती थी। इस प्रकार एक तरफ यह कांग्रेस की कार्य संस्कृति और उनकी नीति है कि वे प्रधानमंत्री को संविधान संशोधन करके कानून से ऊपर करते हैं। जबकि, दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी की नीति है कि हम हमारी सरकार के प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्रियों को ही कानून के दायरे में ला रहे हैं। गृह मंत्री ने अफसोस जताते हुए कहा कि, ''आज सदन में कांग्रेस के एक नेता ने मेरे बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी भी की कि जब कांग्रेस ने मुझे पूरी तरह से फर्जी मामले में फंसाया और गिरफ्तार कराया, तब मैंने इस्तीफा नहीं दिया।'' उन्होंने कहा, ''मैं कांग्रेस को याद दिलाना चाहता हूं कि मैंने गिरफ्तार होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया था और जमानत पर बाहर आने के बाद भी जब तक मैं अदालत से पूरी तरह निर्दोष साबित नहीं हुआ, तब तक मैंने कोई संवैधानिक पद नहीं लिया था। मेरे ऊपर लगाए गए फर्जी आरोपों को अदालत ने यह कहते हुए खारिज किया कि मामला राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है।'' निःसन्देह, भाजपा और राजग हमेशा नैतिक मूल्यों के पक्षधर रहे हैं तथा लाल कृष्ण आडवाणी ने भी सिर्फ आरोप लगने पर ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। दूसरी ओर इंदिरा गांधी द्वारा शुरू की गई ''अनैतिक परंपरा'' को कांग्रेस पार्टी आज भी आगे बढ़ा रही है। जिस लालू प्रसाद यादव को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी अध्यादेश लाई थी, जिसका राहुल गांधी ने विरोध किया था, आज वही राहुल गांधी पटना के गांधी मैदान में लालू जी को गले लगा रहे हैं। विपक्ष का यह दोहरा चरित्र जनता भली–भांति समझ चुकी है। अरविंद केजरीवाल से भी कांग्रेस का रिश्ता जगजाहिर है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह पहले से स्पष्ट था कि यह विधेयक संसद की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के समक्ष रखा जाएगा, जहां इस पर गहन चर्चा होगी। फिर भी सभी प्रकार की शर्म और हया छोड़कर, भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए, कांग्रेस के नेतृत्व में पूरा 'इंडी' (गठबंधन गठबंधन 'इंडिया') एकत्रित होकर इसका भद्दी तरह से विरोध कर रहा था। आज विपक्ष का जनता के बीच पूरी तरह से पर्दाफाश हो गया है।

कर्नाटक कांग्रेस में बढ़ रहा आंतरिक

कल्याणी शंकर

कर्नाटक कांग्रेस की राजनीति में मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। कांग्रेस पार्टी के भीतर एक आंतरिक राजनीतिक संकट विकसित हो रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष चल रहा है। क्या कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन होगा? शिवकुमार के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की जगह लेने की बढ़ती अटकलों ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। सत्तारूढ़ कांग्रेस असहमति, आंतरिक संघर्ष, अनुशासन की कमी और अपने सदस्यों के बीच सत्ता संघर्ष से जूझ रही है, जिससे यह मामला और पेचीदा हो गया है। अफवाहें जोर पकड़ रही हैं, मुख्य रूप से इसलिए, क्योंकि जी. परमेश्वर जैसे वरिष्ठ नेताओं ने सार्वजनिक रूप से पार्टी के भीतर महत्वपूर्ण असंतोष को स्वीकार किया है। जबकि सिद्धारमैया कुछ नुकसान नियंत्रण करने का प्रयास कर रहे हैं, शिवकुमार खेमा खुले तौर पर नेतृत्व परिवर्तन की पैरवी कर रहा है। उनका दावा है कि यह अगले 3 महीनों के भीतर हो सकता है। अगले 3 महीने की समय सीमा का कारण दिलचस्प है। अंदरूनी सूत्रों का दावा है कि सत्ता संघर्ष अब सामने आ गया है। इसके अलावा, कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन ने दावा किया है कि लगभग 100 विधायक नेतृत्व परिवर्तन के पक्ष में हैं, जो शीर्ष पर बदलाव का समर्थन करते हैं। डी.के. ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई जारी की है लेकिन बदलाव की संभावना बनी हुई है। 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सत्ता में लौटी। चर्चा थी कि दोनों नेता शीर्ष पद के दावेदार हैं। हाईकमान ने अढ़ाई साल का रोटेशनल फॉर्मूला पेश किया। इसके मुताबिक, सिद्धारमैया इस साल नवंबर तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री के तौर पर अढ़ाई साल पूरे कर लेंगे। वह अपने नेतृत्व के 25 साल भी पूरे करेंगे। सिद्धारमैया को प्रशासन में उनके व्यापक अनुभव और ओ.बी.सी. समुदाय से उनके मजबूत समर्थन के लिए जाना जाता है। साल के अंत में बिहार चुनाव नजदीक आने के साथ, कांग्रेस नेतृत्व एक महत्वपूर्ण ओ.बी.सी. नेता सिद्धारमैया को परेशान न करके स्थिरता बनाए रखने के लिए उत्सुक है। उनका प्रशासन मुफ्त में सामान देने, मुसलमानों को खुश करने और हिंदू समुदाय को विभाजित करने के लिए जाना जाता है। दूसरी ओर, शिवकुमार को 'मिस्टर–फिक्सिट' के रूप में जाना जाता है। डी.के. को 'गो–टू' मैन के रूप में जाना जाता है और कांग्रेस नेतृत्व ने अन्य कांग्रेस शासित राज्यों में भी असंतुष्टों से निपटने में उनका इस्तेमाल किया है। उन्हें उनके कुशल नेतृत्व और संगठनात्मक कौशल के साथ–साथ उनके वित्तीय संसाधनों और आंतरिक असंतोष को प्रबंधित करने की क्षमता के लिए महत्व दिया जाता है। दोनों नेताओं का कांग्रेस में अपना योगदान है। संकट के समय पार्टी को उनकी जरूरत है। डी.के. के अलावा, अन्य उम्मीदवार भी इस पद के लिए होड़ में हैं। ड्क्षलगायत समुदाय के मंत्री एम.बी. पाटिल भी शीर्ष पद के लिए इच्छुक हैं। शिवकुमार वोक्कालिंगा समुदाय का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि कुरुबा समुदाय से सिद्धारमैया एक महत्वपूर्ण ओ.बी.सी. व्यक्ति हैं। असंतुष्ट गतिविधि से चिंतित मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हाल ही में कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों को पार्टी के आंतरिक मामलों के बारे में गोपनीयता बनाए रखने की चेतावनी दी, साथ ही कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। शिवकुमार ने सार्वजनिक रूप से कहा, ''पार्टी और हाईकमान जो चाहेगा वही होगा।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पास क्या विकल्प है? मुझे उनके साथ खड़ा होना है और उनका समर्थन करना है।'' हालांकि, उनका खेमा 'डी.के. को सीएम बनाना' का नारा लगाता रहता है। इस बीच, सत्ता में वापसी के अवसर पर नजर गड़ाए भाजपा मध्यावधि चुनाव की भविष्यवाणी कर रही है और कह रही है कि कांग्रेस सरकार जल्द ही गिर सकती है। सिद्धारमैया ने नेतृत्व परिवर्तन के किसी भी सुझाव को खारिज कर दिया है और कांग्रेस आलाकमान ने भी ऐसी किसी संभावना से इंकार किया है। कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला द्वारा विधायकों और नेताओं के साथ बैठकों के बाद नेतृत्व परिवर्तन के लिए कोई कदम नहीं उठाए जाने की बात कहने के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री ने पुष्टि की, ''कर्नाटक में मुख्यमंत्री में कोई बदलाव नहीं होगा।'' फिलहाल, सिद्धारमैया को भरोसा है कि वह पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। उनकी कड़ी घोषणा और चेतावनी का उद्देश्य न केवल असहमति को शांत करना है, बल्कि जनता, पार्टी कार्यकर्त्ताओं और कांग्रेस नेतृत्व को स्थिरता का संदेश देना भी है। सिद्धारमैया को बदलना कांग्रेस नेतृत्व के लिए आसान नहीं है क्योंकि वह पार्टी में फूट डाल सकते हैं। कर्नाटक में स्थिति को संभालने में कांग्रेस नेतृत्व सावधानी बरत रहा है। अगर सोनिया गांधी या राहुल गांधी ने डी.के. को रोटेशनल मुख्यमंत्री की भूमिका का वादा किया होता, तो अब उन्हें मना करना मुश्किल होता। हाईकमान को मुख्यमंत्री मुद्दे को सुलझाने के लिए चुनाव के बाद किए गए वादों को पूरा करना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो कर्नाटक को राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मुख्यमंत्री पद के प्रमुख उम्मीदवार शिवकुमार ने 2023 में सिद्धारमैया के अधीन उपमुख्यमंत्री के रूप में काम करने पर सहमति व्यक्त की।

शेफाली के अधूरे ड्रीम होंगे पूरे: पराग त्यागी ने दिवंगत पत्नी के सपनों को दिया नया जीवन, फैंस कर रहे तारीफ

मशहूर एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला के निधन के बाद उनके पति पराग त्यागी पूरी तरह से अकेले हो गए हैं। लेकिन उनकी पत्नी के लिए प्यार और सम्मान अब भी उनके दिल में जिंदा है। पराग ने शेफाली के अधूरे सपनों को पूरा करने की ठान ली है और उन्हीं के रास्ते पर चलते हुए समाज के लिए काम कर रहे हैं। शेफाली जरीवाला एक एनजीओ चलाती थीं, जिसका नाम शेफाली जरीवाला राइज फाउंडेशन था। इस फाउंडेशन का मकसद गरीब बच्चों की पढ़ाई और जरूरतों को पूरा करना था। अब जब शेफाली इस दुनिया में नहीं हैं, तो उनके पति पराग ने इस नेक काम को आगे बढ़ाया है। पराग त्यागी ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह कुछ बच्चों के साथ नजर आ रहे हैं। ये बच्चे स्कूल यूनिफॉर्म में हैं और बेहद खुश दिख रहे हैं। वीडियो के कैप्शन में पराग ने लिखा– बधाई हो नव्या, काव्या, ईशान और इनाया३ कुछ और बूंदें शेफाली जरीवाला राइज फाउंडेशन नामक समुद्र का हिस्सा बन गई हैं। प्रार्थना करते रहिए और प्यार बरसाते रहिए ताकि हम परी के सपने को पूरा कर सकें। इस पोस्ट को देखकर फैंस बहुत भावुक हो गए और पराग के जज्बे की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पराग ने अपनी और शेफाली की शादी की सालगिरह पर भी एक इमोशनल वीडियो शेयर किया। इसके साथ उन्होंने लिखा– मेरा प्यार, मेरी जान, मेरी परी३ जब मैंने तुम्हें पहली बार देखा था, तब ही जान गया था कि तुम मेरी हो। 12 अगस्त 2010 को तुम मेरी जिंदगी में आई और उसे खूबसूरत बना दिया। अब तुम नहीं हो, लेकिन मैं तुम्हारे हर पल को संजोकर रखूंगा३ आखिरी सांस तक और उसके बाद भी, मैं तुमसे प्यार करता रहूंगा।

'मुझे होटल में बुलाया'... मलयालम अदाकारा रिनी एन जॉर्ज ने केरल के युवा नेता पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

युवा मलयालम अदाकारा रिनी एन जॉर्ज ने युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और पलक्कड़ विधायक राहुल ममकूटाथिल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। श्916 कुंजूट्टनश में अपनी भूमिका के लिए मशहूर अदाकारा ने आरोप लगाया है कि नेता ने उन्हें कई मौकों पर आपत्तिजनक संदेश भेजे थे। एक ऑनलाइन चौनल को दिए गए उनके साक्षात्कार के वायरल होने के बाद बुधवार को उन्होंने कोच्चि में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने शुरुआत में विधायक का नाम बताने से इनकार कर दिया था। 20 अगस्त को कोच्चि में मीडिया से बात करते हुए, रिनी ने, हालांकि उस नेता का नाम नहीं लिया, कहा कि उनके उपेक्षापूर्ण रवैये को उनके शब्दों, षकिसे परवाह हैष से समझा जा सकता है। रिनी ने आरोप लगाया कि उन्होंने उस व्यक्ति को चेतावनी दी थी कि वह उसकी पार्टी नेतृत्व से शिकायत करेंगी, लेकिन वह इस बारे में बेपरवाह रहा। उन्होंने यह भी दावा किया कि कई अन्य महिलाओं के साथ भी ऐसा ही अनुभव हुआ है।

उसने मुझे अश्लील संदेश भेजे

रिनी ने कहा उसने मुझे अश्लील संदेश भेजे। मैंने उन्हें नज़रअंदाज़ कर दिया और आगे बढ़ गई; मेरे लिए यह कोई बड़ी बात नहीं थी। इसलिए मैंने पुलिस में मामला दर्ज नहीं कराया। लेकिन जब मैंने हाल ही में देखा कि इस व्यक्ति पर और भी आरोप लगे हैं, तो मुझे एहसास हुआ कि दूसरी महिलाएं भी इसी समस्या का सामना कर रही हैं। फिर भी, एक भी महिला ने इस बारे में खुलकर बात नहीं की। मुझे लगा कि मुझे भी बोलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि नेता ने उन्हें एक होटल में बुलाया था और जब उन्होंने उनकी पार्टी को सूचित करने की धमकी दी, तो उन्होंने उन्हें ऐसा करने की चुनौती दी। रिनी ने पार्टी या संबंधित राजनेता का नाम नहीं बताया है।

पार्टी नेतृत्व को इन घटनाओं के बारे में सूचित किया गया था

रिनी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व को इन घटनाओं के बारे में सूचित किया गया था और दावा किया कि कई राजनेताओं की पत्नियों और बेटियों को उनके साथ इसी तरह के अनुभवों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, मैं पूछना चाहती हूँ कि ये नेता, जो अपने परिवार की महिलाओं की रक्षा नहीं कर पाए, किस महिला की रक्षा करेंगे? उन्होंने यह भी कहा कि जानकारी होने के बावजूद, इस युवा नेता को अवसर दिए गए। सार्वजनिक रूप से सामने आने के अपने फैसले के बारे में बात करते हुए, रिनी ने कहा, ष्मैंने बोलने का फैसला इसलिए किया क्योंकि मैंने हाल ही में सोशल मीडिया पर देखा कि कई महिलाओं को इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा है। इनमें से कोई भी महिला इस बारे में एक शब्द भी नहीं बोल रही है। इसलिए मैंने सभी के लिए बोलने का सोचा। हालांकि रिनी ने उस नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन भाजपा ने पलक्कड़ से कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटाथिल के कार्यालय की ओर मार्च निकाला और आरोप लगाया कि वही इस मामले के नेता हैं। प्रदर्शनकारियों ने उनके इस्तीफे की मांग की। राहुल ममकूटाथिल युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। इसके तुरंत बाद, लेखिका हनी भास्करन भी राहुल ममकूटाथिल के खिलाफ आरोपों के साथ सामने आईं। एक फेसबुक पोस्ट में, हनी ने आरोप लगाया कि विधायक ने उन्हें सोशल मीडिया पर बार–बार संदेश भेजे थे। उन्होंने कहा कि शुरुआती बातचीत यात्रा के बारे में थी, लेकिन जब उन्हें एहसास हुआ कि विधायक का रुकने का कोई इरादा नहीं है, तो उन्होंने आगे कोई जवाब नहीं दिया। हनी ने दावा किया कि बाद में उन्होंने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से सुना कि राहुल ने उनके बारे में बुरी बातें कहीं और उन्हें ही बातचीत शुरू करने वाला बताया। उन्होंने लिखा, ष्लोगों को आपके अंदर के उस पागल को भी पहचानना होगा जो बाहर जाकर महिलाओं से बात करता है और उनकी बातचीत को विकृत लोगों के बीच घटिया बताता है। यह पोस्ट इसीलिए है।ष्उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि युवा कांग्रेस की महिलाओं की कई शिकायतों के बावजूद, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। विपक्षी नेता वीडी सतीशन ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि पार्टी को अभी शिकायत मिली है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, ष्चाहे वह कोई भी हो।

रुबीना दिलैक

के परिवार पर आया संकट, अपनी जुड़वा बेटियों के साथ बाढ़ में फंसी एक्ट्रेस

टीवी एक्ट्रेस रुबीना दिलैक का परिवार इस समय बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है। वह इस समय हिमाचल प्रदेश में अपनी बेटियों के साथ फंस गई है। वहां पिछले कुछ दिनों से लगातार भारी बारिश और भूस्खलन हो रहे हैं। एक्ट्रेस ने जीवा और ईधा के साथ एक स्थानीय होटल में शरण ली है।। रुबीना अपने मायके हिमाचल में थीं और वहीं उनकी दोनों जुड़वां बेटियां भी साथ थीं। भारी बारिश और भूस्खलन की वजह से कई सड़कें बंद हो गईं और रास्ते अवरुद्ध हो गए। इस कारण रुबीना और उनकी फैमिली वहां फंस गई। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर किया और बताया कि हालात काफी मुश्किल हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी सुरक्षित हैं, लेकिन मौसम बहुत खराब है और सावधानी बरतनी पड़ रही है। उन्होंने फैंस से दुआओं की अपील भी की। रुबीना ने अपने पोस्ट में लिखा–पिछले 5 दिन बेहद उतार–चढ़ाव भरे रहे। हिमाचल प्रदेश में भूस्खलन और भारी बारिश ने सड़कों, राजमार्गों और खेतों को काफी नुकसान पहुंचाया है, जिससे कई परिवार बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। मेरी संवेदना उन लोगों (मेरे रिश्तेदारों सहित) के साथ है जो इस मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा–मैं बस इतना कहना चाहती थी कि मैं सुरक्षित हूं और भगवान की कृपा से मेरा परिवार भी सुरक्षित है। हालांकि मैं अपनी बेटियों को ज्यादा देर तक अपनी बाहों में नहीं रख सकी, लेकिन मैं आभारी हूं कि वे स्वस्थ और खुश हैं और निश्चित रूप से एक सुरक्षित वातावरण में हैं! यहाँ /सममसंकींतजतंदुनपसपजल पर हमें मिली राहत की एक झलक है, जिन्होंने तनाव और अप्रत्याशित परिस्थितियों के इस समय में हमारे लिए अपने द्वार खोल दिए। उनकी पोस्ट में सड़कें साफ होते हुए दिखाई दे रही थीं, और होटल परिसर में खेलती उनकी बेटियों के कुछ पल भी थे। व्यवधानों के बावजूद उन्होंने बेटियों की सुरक्षा के लिए आभार व्यक्त किया। हिमाचल में इन दिनों लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित है। कई जगहों पर भूस्खलन के कारण सड़कें बंद हैं और लोगों की आवाजाही मुश्किल हो रही है।

वैष्णव टीका और सिर पर दुपट्टा...कृष्ण भक्ति में डूबीं विल स्मिथ की बेटी, जन्माष्टमी पर की कान्हा की आरती

माथे पर वैष्णव टीका लगाकर और दुपट्टा ओढ़कर वो अनुष्ठानों में पूरी तरह से शामिल नजर आईं। इस्कॉन में आरती करने से लेकर मंत्रोच्चार का थैला थामे और राधा–कृष्ण की प्रतिमा के सामने खड़े होने तक। खबरें हैं कि विलोलो स्मिथ खुलेआम हिंदू परंपराओं को मानती हैं। उनके पिता विल स्मिथ ने एक बार स्वीकार किया था कि वे धार्मिक लेबलों से दूर रहते हैं जबकि जेडा पिंकेट ने औपचारिक रूप से चर्च में शामिल हुए बिना साइंटोलॉजी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेने की बात कही थी पर उनकी बेटी ने अपना अलग रास्ता बनाया है।

हॉलीवुड एक्टर विल स्मिथ और उनकी वाइफ जेडा पिंकेट की बेटी विलो स्मिथ इस समय चर्चा में हैं। विल स्मिथ की बेटी विलो स्मिथ ने हाल ही में अपनी आध्यात्मिक जर्नी की झलक दिखाई है। विलो ने बताया कि वो जन्माष्टमी पर आर्टिस्ट लोंड्रेल के रिलीज किए गए भक्ति गीत गोविंदा नाइट्स में नजर आ रही हैं। विल स्मिथ की बेटी विलो स्मिथ ने सोशल मीडिया पर अपने फॉलोअर्स को जन्माष्टमी सेलिब्रेशन की फोटोज दिखाई हैं। माथे पर वैष्णव टीका लगाकर और दुपट्टा ओढ़कर वो अनुष्ठानों में पूरी तरह से शामिल नजर आईं। इस्कॉन में आरती करने से लेकर मंत्रोच्चार का थैला थामे और राधा–कृष्ण की प्रतिमा के सामने खड़े होने तक। खबरें हैं कि विलोलो स्मिथ खुलेआम हिंदू परंपराओं को मानती हैं। उनके पिता विल स्मिथ ने एक बार स्वीकार किया था कि वे धार्मिक लेबलों से दूर रहते हैं जबकि जेडा पिंकेट ने औपचारिक रूप से चर्च में शामिल हुए बिना साइंटोलॉजी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेने की बात कही थी पर उनकी बेटी ने अपना अलग रास्ता बनाया है। साल 2019 में उन्होंने खुलासा किया था कि वो बाइसेक्शुअल हैं। उन्होंने कहा था कि वो मर्द और औरत दोनों को पसंद करती हैं। बाद में ये भी खुलासा किया था कि वो एक समय पर कई रिश्ते रखने का सपोर्ट करती हैं और खुद भी ऐसा करना चाहती हैं। विलो को साल 2007 में आई उनके पिता की फिल्म में देखा जा चुका है।

स्वादिष्ट पनीर भुर्जी बनाने के लिए अपनाएं ये सिंपल टिप्स, उंगलियां चाट जाएंगे लोग

अधिकतर लोगों के घरों में अक्सर शाही पनीर, मटर पनीर, सिंपल पनीर और पनीर मसाला जैसी कई डिशेज बनती हैं। अब तो पनीर की सिर्फ सब्जी ही नहीं बल्कि स्नैक्स भी बनाकर तैयार किए जाते हैं। पनीर के पकोड़े, रोल और मोमोज तो लोग बड़े ही चाव से खाया जाता है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पनीर खाने में ही स्वादिष्ट नहीं होता है, बल्कि यह सेहत के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। वहीं कुछ महिलाएं पनीर के व्यंजन सिर्फ इसलिए बनाती हैं, क्योंकि वह जानती हैं कि पनीर सेहत के लिए लाभकारी होता है। अगर आप भी हफ्ते में पनीर की कोई न कोई रेसिपी बनाते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि शाही पनीर और मटर पनीर तो हर कोई बना लेता है, लेकिन पनीर भुर्जी हर कोई नहीं बना पाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ हैक्स बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप टेस्टी पनीर भुर्जी बना सकती हैं।

फ्रेश पनीर

पनीर भुर्जी को स्वादिष्ट बनाने के लिए आपको फ्रेश और स्वाद में ठीक पनीर लें। क्योंकि कई बार अधिक दिनों तक रखे रहने से पनीर का स्वाद खट्टा हो जाता है। ऐसे में आप पनीर की बनावट पर ध्यान देकर फ्रेश पनीर ले सकते हैं। तो वहीं बहुत सारे लोग पनीर को बनाने के लिए सिरका, नींबू या दही जैसे एसिड का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी ऐसे ही पनीर बनाते हैं, तो इसके लिए एसिड का सही मात्रा में इस्तेमाल करना जरूरी है।

बारीक कटी हुई सब्जियां मिलाएं

पनीर भुर्जी में पनीर को चॉब्ड करके बनाया जाता है। ऐसे में आप इसमें सब्जियों को मिलाने के लिए एकदम बारीक काट लें और फिर इसको अच्छे से पकाएं। पहले सब्जियों को अच्छे से पकाएं और फिर उसमे पनीर को डालकर पकने दें। ऐसा करने से सब्जियों का सारा रस बाहर निकल जाएगा और वह पनीर में अच्छे से मिल जाएगी।

तेल की सही मात्रा

वैसे दिखने में तो भुर्जी बहुत सारी लगती है, लेकिन पकने के बाद यह कम हो जाती है। ऐसे में तेल, मसाले और दही की सही मात्रा का ध्यान रखें। क्योंकि अगर आप अधिक तेल डालेंगे, तो पकने के बाद भुर्जी एक तरफ और तेल अलग हो जाता है। ऐसे में प्रयास करें कि तेल की मात्रा अधिक न रखें। तेल न ज्यादा रखें औऱ न कम रखें।

दही या क्रीम

कई लोगों को लगता है कि सिर्फ ग्रेवी वाले पनीर में क्रीम या दही का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन आप पनीर भुर्जी का स्वाद बढ़ाने के लिए आप दही का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं पनीर भुर्जी के रूखेपन को दूर करने के लिए क्रीम का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें तो क्रीम ऊपर से भी डाल सकती हैं। बस इसकी सही मात्रा का ध्यान रखें।

सूखी मेथी

आप पनीर भुर्जी में सूखी मेथी का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे स्वाद दोगुना हो जाएगा। बता दें कि आप पनीर भुर्जी में बनाने के समय और दूसरा सर्व करने के दौरान सूखी मेथी डाल सकती हैं।

चाहकर भी मीठा खाने पर नहीं हो रहा कंट्रोल, तो मिठाई की जगह इन चीजों के साथ मनाएं त्योहार

अकसर त्योहारों के दौरान हम चाहकर भी खुद को मीठे से दूर नहीं कर पाते हैं। यह हम सभी जानते हैं कि मीठा खाने से हमारे शरीर पर खतरनाक असर पड़ता है पर इसके बावजूद हम परवाह नहीं करते। अगर आपने त्योहारों पर कुछ ज्यादा ही मिठाइयां खा ली हैं, तो यहां कुछ उपाय दिए गए हैं जिनसे आप अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं और मिठाई की जगह अन्य स्वस्थ विकल्पों के साथ त्योहार मना सकते हैं

हाइड्रेशन पर ध्यान दें

अधिक मिठाई खाने के बाद शरीर में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे डिहाइड्रेशन हो सकता है। इसलिए, दिनभर में खूब पानी पिएं ताकि शरीर से अतिरिक्त शुगर निकल सके। ग्रीन टी या हर्बल चाय का सेवन करें। यह शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है।

फाइबर का सेवन बढ़ाएं

ताजे फल और सब्जियों का सेवन करें। इनमें फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो पाचन को सुधारते हैं और शरीर से अतिरिक्त शुगर को बाहर निकालने में मदद करते हैं। फाइबर युक्त अनाज और चिया सीड्स को अपने भोजन में शामिल करें। ये आपको लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराएंगे और अतिरिक्त कैलोरी को कम करेंगे।

प्रोटीन का सेवन

मिठाइयों की जगह दही, पनीर, या ग्रिल्ड चिकन जैसे प्रोटीन से भरपूर आहार का सेवन करें। प्रोटीन आपको ऊर्जा देगा और भूख को नियंत्रित करेगा।द बादाम, अखरोट, और सनफ्लावर सीड्स जैसी चीजों का सेवन करें। ये सेहत के लिए लाभकारी होते हैं और मिठाइयों के लिए अच्छी जगह ले सकते हैं।

हल्की एक्सरसाइज

मिठाई खाने के बाद थोड़ी देर टहलने जाएं। यह आपकी पाचन क्रिया को तेज करता है और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखता है। योग के कुछ आसान अभ्यास जैसे ताड़ासन और वज्रासन पाचन और मेटाबॉलिज्म को सुधारने में मदद करते हैं।

डिटॉक्स ड्रिंक्स

सुबह–सुबह नींबू पानी पीना डिटॉक्स के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह शरीर को साफ करता है और पाचन को सुधारता है। अदरक, नींबू, और शहद मिलाकर डिटॉक्स ड्रिंक बनाएं। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद करेगा।

मीठे की जगह सेहतमंद विकल्प

– मिठाइयों की जगह फ्रूट सलाद खाएं। यह स्वादिष्ट होता है और सेहत के लिए भी अच्छा है।

– मिठाइयों की जगह आप ड्राई फ्रूट्स का सेवन कर सकते हैं। ये भी मीठे होते हैं और सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।

–मिठाई की जगह गुड़ या खजूर का सेवन कर सकते हैं, जिसमें नेचुरल शुगर होता है और यह शरीर को जरूरी मिनरल्स भी प्रदान करता है।

–त्योहारी सीजन में अपने भोजन को पहले से प्लान करें। इससे आप जरूरत से ज्यादा खाने से बच सकते हैं।

– मिठाइयों का सेवन सीमित करें और अपनी प्लेट में हमेशा संतुलित आहार रखें।

इन तरीकों से आप त्योहारों के दौरान भी अपनी सेहत का ध्यान रख सकते हैं और मिठाइयों के ज्यादा सेवन के बाद होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

नाश्ते में बनाएं आलू सूजी डोनट, खाकर आ जाएगा मजा, नोट करें शेफ पंकज की यह रेसिपी

सुबह–सुबह बच्चों के नाश्ते के लिए क्या बनाएं? इन सबके टेंशन में मम्मी लोग परेशान रहती है कि आखिर क्या एकदम हटके और टेस्टी नाश्ता बनाएं। अब चिंता छोड़ो बस नाश्ते में इस डिश को बना लें। बच्चों से लेकर बड़े भी मांग–मांग कर खाएंगे। आज हम आपको लिए लेकर आए शेफ पकंज की यह बेहतरीन डिश की रेसिपी। घर पर बनाएं आलू सूजी डोनट। ये आलू सूजी डोनट्स, स्वादिष्ट डोनट्स हैं और सबसे अच्छे नाश्ते, चाय के समय के नाश्ते या यहां तक कि टिफिन व्यंजनों में से एक हैं। आइए जानते हैं रेसिपी

आलू सूजी डोनट्स की रेसिपी

– तैयारी का समयः 15 मिनट

– पकाने का समयः 15 मिनट

– 3–4 लोगों के लिए

आलू सूजी डोनट्स की सामग्री

–3 मध्यम आकार के आलू

–1 ½ कप पानी

–1 प्याज, कटा हुआ

–1 बड़ा चम्मच कटी हुई हरी मिर्च

–1 छोटा चम्मच सरसों के बीज

–स्वादानुसार नमक

–1 छोटा चम्मच चिली फ्लेक्स

–1 बड़ा चम्मच कटा हुआ अदरक

–1 बड़ा चम्मच तिल

–2 बड़ा चम्मच धनिया, कटा हुआ

–1 कप सूजी

–1 बड़ा चम्मच तेल

–1 छोटा चम्मच काली मिर्च पाउडर

–तलने के लिए तेल

आलू सूजी डोनट्स बनाने का विधि

– सबसे पहले आप आलू को कद्दूकस कर लें। एक पैन में आलू को पानी के साथ डालें। आलू के नरम होने तक पकाएं। प्याज, अदरक, हरी मिर्च, सरसों के बीज, नमक, लाल मिर्च के टुकड़े, तिल डालें और अच्छी तरह मिलाएं, ढककर मध्यम आंच पर 5–6 मिनट तक पकाएं।

–सूजी डालें और अच्छी तरह मिलाएं। धीमी आंच पर मिश्रण को मोड़ें और चम्मच के पिछले हिस्से से सभी गांठें तोड़ें। तब तक पकाएं जब तक मिश्रण पैन के किनारे न छोड़ दे।

–आंच बंद कर दें, खाना पकाने का तेल, ताजा धनिया डालें और अच्छी तरह मिलाएं और ठंडा होने दें। हाथों पर तेल लगाएं और मिश्रण को चिकना आटा गूंथ लें।

–चिकने हाथों से नींबू के आकार का मिश्रण लें और बॉल बनाएं और डोनट जैसा आकार दें। एक पैन में 1 इंच तेल गरम करें और मध्यम आंच पर दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें। टोमैटो केचप के साथ परोसें।

नसों में दौड़ने लगेगा खून ही खून, बस रोज खाएं यह छोटी सी चीज

स्वस्थ जीवन के लिए हमारे आहार में अक्सर ऐसी छोटी–छोटी चीजें शामिल होती हैं, जिनके अद्भुत लाभ होते हैं। ऐसी ही एक महत्वपूर्ण चीज है कद्दू के बीज। ये छोटे से बीज अपने पोषक तत्वों के भरपूर खजाने के साथ नसों में खून की वृद्धि और शरीर को ऊर्जा देने में सहायक हैं। रोजाना कद्दू के बीज का सेवन करने से आपके शरीर में आयरन, मैग्नीशियम, और एंटीऑक्सीडेंट्स की सही मात्रा पहुंचती है, जिससे खून की कमी दूर होती है और समग्र स्वास्थ्य में सुधार होता है। इन बीजों को अपनी डाइट में शामिल करने से शरीर को कई महत्वपूर्ण फायदे मिल सकते हैं। आप जीवन में बेहतरी और ताजगी का अहसास कर सकते हैं। चलिए आपको इनके फयादो के बारे में बताते हैं।

आयरन का अच्छा स्रोत

कद्दू के बीज आयरन का उत्कृष्ट स्रोत होते हैं, जो रक्त निर्माण और ओक्सिजन की आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयरन की सही मात्रा में उपस्थिति से शरीर में खून की कमी की समस्याएं कम हो सकती हैं और ऊर्जा स्तर में सुधार होता है।

मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा

इन बीजों में मैग्नीशियम की भी भरपूर मात्रा होती है, जो हड्डियों की मजबूती, मांसपेशियों की कार्यक्षमता और दिल की सेहत के लिए आवश्यक है। मैग्नीशियम तनाव को कम करने और नींद को बेहतर बनाने में भी मदद करता है।

एंटीऑक्सीडेंट गुण

कद्दू के बीज में एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे विटामिन म और जिंक होते हैं, जो शरीर को मुक्त कणों से बचाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। ये तत्व त्वचा की सेहत को भी बनाए रखते हैं।

प्रोटीन का अच्छा स्रोत

कद्दू के बीज प्रोटीन से भरपूर होते हैं, जो मांसपेशियों के निर्माण, ऊतकों की मरम्मत और समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। यह विशेष रूप से वेजिटेरियन और वेगन के लिए एक अच्छा प्रोटीन स्रोत है।

डाइजेस्टिव हेल्थ में सुधार

इन बीजों में फाइबर की अच्छी खासी मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होती है। यह कब्ज और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है।

हार्ट हेल्थ के लिए लाभकारी

कद्दू के बीज में ओमेगा–3 और ओमेगा–6 फैटी एसिड्स होते हैं, जो हृदय रोगों के जोखिम को कम करने और रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

इम्यून सिस्टम को बूस्ट करें

इन बीजों में जिंक की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर के इम्यून सिस्टम को सशक्त करता है और संक्रमणों से बचाता है। जिससे मौसमी बीमारियों, सर्दी–जुकाम, और अन्य संक्रमणों से बचाव होता है। इसके अतिरिक्त, जिंक त्वचा की सेहत में भी सुधार करता है और चोटों की तेजी से ठीक होने में मदद करता है। कद्दू के बीज एक छोटे लेकिन शक्तिशाली पोषण स्रोत हैं। इन्हें अपनी डाइट में शामिल करने से आप विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इन्हें नाश्ते में, सलाद में, या सीधे स्नैक के रूप में खा सकते हैं। अपने आहार में विविधता लाने और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कद्दू के बीज को एक आदत बना सकते हैं।

संक्षिप्त

स्टारलिंक ग्राहकों के सत्यापन के लिए करेगी आधार का इस्तेमाल

अरबपति एलन मस्क की अगुवाई वाली स्टारलिंक भारत में ग्राहकों को जोड़ने से पहले उनके सत्यापन के लिए आधार प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करेगी। बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के मुताबिक, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं देने वाली इकाई स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। स्टारलिंक ग्राहकों के सत्यापन के लिए आधार प्रमाणीकरण का इस्तेमाल करेगी। स्टारलिंक के ग्राहक जोड़ने के पहले आधार का इस्तेमाल करने से पूरी प्रक्रिया सुचारू, सुरक्षित और बहुत आसान हो जाएगी। यूआईडीएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी भुवनेश कुमार और स्टारलिंक इंडिया के निदेशक पर्नील उर्ध्वरेषे की मौजूदगी में इस साझेदारी पर सहमति जताई गई। एक आधिकारिक अनुमान के मुताबिक, स्टारलिंक वर्तमान क्षमता पर भारत में लगभग 20 लाख ग्राहकों को अपने साथ जोड़ सकती है। स्टारलिंक को भारत में उपग्रह आधारित संचार सेवाओं की पेशकश के लिए लाइसेंस मिल चुका है। उसने भारतीय बाजार में अपनी सेवाओं के लिए भारती एयरटेल और रिलायंस जियो के साथ करार किया है।

रुपया शुरुआती कारोबार में 14 पैसे मजबूत होकर 86.93 प्रति डॉलर पर

घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 14 पैसे मजबूत होकर 86.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रूस और यूक्रेन के बीच शांति की उम्मीदों के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम उठाने की क्षमता बढ़ने से रुपया सकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.04 प्रति डॉलर पर

खुला। फिर 86.93 प्रति डॉलर के शुरुआती उच्च स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.07 पर मजबूती के साथ बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.30 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 373.33 अंक चढ़कर 82,231.17 अंक पर और निफ्टी 94.3 अंक की बढ़त के साथ 25,144.85 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.37 प्रतिशत चढ़कर 67.09 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,100.09 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

एअर इंडिया व एअर इंडिया एक्सप्रेस को उठाना पड़ा 9568 करोड़ का घाटा, सरकार ने सदन में दिए आंकड़े

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस को मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में कर से पहले कुल मिलाकर 9,568.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। पिछले वित्त वर्ष में, अकासा एअर और स्पाइसजेट ने कर से पहले 1,983.4 करोड़

रुपये और 58.1 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया, जबकि इंडिगो को कर से पहले 7,587.5 करोड़ रुपये का लाभ हुआ। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने गुरुवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में ये आंकड़े साझा किए। हालांकि, ये आंकड़े अस्थायी हैं। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया को कर से पहले 3,890.2 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, जबकि इसकी कम लागत वाली शाखा एअर इंडिया एक्सप्रेस, जो लंबे समय से लाभदायक थी, ने 2024–25 में 5,678.2 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया। घाटे में चल रही एअर इंडिया और मुनाफे में चल रही एअर इंडिया एक्सप्रेस का जनवरी 2022 में टाटा समूह ने अधिग्रहण कर लिया था। आंकड़ों के अनुसार, एअर इंडिया का कर्ज 26,879.6 करोड़ रुपये था, जबकि इंडिगो का कर्ज 67,088.4 करोड़ रुपये था। आंकड़ों के अनुसार, एअर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और स्पाइसजेट का कर्ज क्रमशः 617.5 करोड़ रुपये, 78.5 करोड़ रुपये और 886 करोड़ रुपये था। मोहोल ने लिखित उत्तर में कहा, मार्च 1994 में एअर कॉरपोरेशन अधिनियम के निरस्त होने के साथ ही भारतीय घरेलू विमानन नियंत्रण मुक्त हो गया है। संसाधन जुटाने और ऋण पुनर्गठन सहित वित्तीय और परिचालन संबंधी निर्णय, वाणिज्यिक विचारों के आधार पर संबंधित एयरलाइनों की ओर से प्रबंधित किए जाते हैं।

अब बढ़ेगी गेंदबाजों की परेशानी! रग्बी से प्रेरित होकर बीसीसीआई लेगा कठिन परीक्षा, स्टैमिना पर है फोकस

बंगलूरू। भारतीय क्रिकेट में फिटनेस को लेकर एक बड़ा बदलाव किया गया है। अब ब्रोंको टेस्ट (Bronco Test) तेज गेंदबाजों के लिए अनिवार्य फिटनेस पैमाना बनेगा। यह पहल भारतीय टीम के स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रूक्स के सुझाव पर लागू की गई है। हाल फिलहाल में देखा गया है कि भारतीय तेज गेंदबाज लंबे समय तक चोट से जूझते रहे हैं। इस साल आईपीएल से पहले तक कई मुख्य तेज गेंदबाज चोटिल थे। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अब उनके स्टैमिना को बढ़ाने और उन्हें लंबे समय तक फिट रखने के लिए यह टेस्ट अनिवार्य किया गया है।

कौन हैं ले रूक्स?

ले रूक्स जून में भारतीय टीम से स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच के रूप में जुड़े। वह जनवरी 2002 से मई 2003 तक भी भारतीय टीम के साथ इसी पद पर काम कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका और आईपीएल टीमों कोलकाता नाइट राइडर्स तथा पंजाब किंग्स के साथ भी काम किया है।

ब्रोंको टेस्ट क्या है?

यह टेस्ट रग्बी से लिया गया है और खिलाड़ियों की एरोबिक क्षमता और रनिंग स्टैमिना को जांचने के लिए बनाया गया है। इसमें खिलाड़ी को एक सेट में 20 मीटर, 40 मीटर और 60 मीटर की शटल रन पूरी करनी होती है। कुल पांच सेट (1200 मीटर) लगातार यानी बिना रुके पूरे करने होते हैं और इसके लिए अधिकतम समय छह मिनट तय है। यह टेस्ट पहले से मौजूद यो–यो टेस्ट और दो किलोमीटर टाइम–ट्रायल के साथ मिलकर खिलाड़ियों की फिटनेस का मूल्यांकन करेगा।

क्यों लाया गया ब्रोंको टेस्ट?

हाल ही में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजों की फिटनेस चिंता का विषय रही थी। केवल मोहम्मद सिराज ऐसे गेंदबाज थे जिन्होंने सभी मैच खेले। जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप को आराम देना पड़ा था। अर्शदीप सिंह भी अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हुए थे। वहीं, बुमराह दौरे पर अपने तीसरे टेस्ट के दौरान धीमे भी हो गए थे। उनकी गति नीचे आ गई थी। ऐसे में कोचिंग स्टाफ का मानना है कि खिलाड़ी जिम में ज्यादा समय बिता रहे हैं, जबकि असली चुनौती मैदान पर लगातार दौड़ने और पारी दर पारी गेंदबाजी करने की है। इस टेस्ट से यह सुनिश्चित होगा कि तेज गेंदबाज लंबे स्पेल तक थकान झेले बिना अपनी गेंदबाजी की गति बनाए रख सकें।

दो किमी टाइम–ट्रायल क्या है?

ब्रोंको टेस्ट से पहले खिलाड़ियों को दो किलोमीटर की दौड़ का टाइम–ट्रायल देना होता था। तेज गेंदबाजों के लिए तय बेंचमार्क हैरू आठ मिनट 15 सेकंड। वहीं, बल्लेबाजों, विकेटकीपरों और स्पिनरों के लिए बेंचमार्क हैरू 8 मिनट 30 सेकंड। यानी इस समय सीमा के भीतर दो किमी दौड़ पूरी करना ही टेस्ट पास करने की शर्त है।

यो–यो टेस्ट से ब्रोंको टेस्ट कितना अलग?

अब तक भारतीय टीम की फिटनेस जांच के लिए यो–यो टेस्ट को अहम माना जाता था। इसमें खिलाड़ियों को 20–20 मीटर की दूरी पर रखे गए मार्कर्स के बीच लगातार दौड़ना होता है। हर 40 मीटर दौड़ के बाद 10 सेकंड का ब्रेक मिलता है, और धीरे–धीरे गति बढ़ती जाती है। भारतीय टीम के लिए न्यूनतम स्तर 17.1 तय किया गया था। लेकिन अब ब्रोंको टेस्ट के आने से फोकस केवल स्पीड या चुस्ती पर नहीं बल्कि खिलाड़ियों की लंबी दूरी तक दौड़ने की क्षमता और सहनशक्ति पर होगा। खासकर तेज गेंदबाजों के लिए यह और भी मुश्किल साबित हो सकता है क्योंकि उन्हें मैच में लंबे स्पेल तक निरंतर तेज दौड़ के साथ गेंदबाजी करनी पड़ती है। यो–यो टेस्ट जहां स्प्रिंट फिटनेस नापता था, वहीं ब्रोंको टेस्ट खिलाड़ियों की मैदान पर टिके रहने और लंबी दूरी तक रनिंग क्षमता की परीक्षा लेगा।

बढ़ा हुआ रनिंग फोकस क्यों जरूरी?

ले रूक्स का मानना है कि तेज गेंदबाजी केवल ताकत पर नहीं, बल्कि स्टैमिना और एरोबिक एंड्योरेंस पर आधारित होती है। ब्रोंको टेस्ट की डिजाइन खिलाड़ियों को बार–बार स्प्रिंट करने और तुरंत रिकवरी की क्षमता विकसित करने में मदद करती है। यह खेल के दबाव में भी गेंदबाज को ऊर्जा स्तर बनाए रखने में सहायक होगा। बीसीसीआई ने पहले ही कुछ कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों को बंगलूरू स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में यह टेस्ट कराया है। इसका मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों के लिए एक स्पष्ट फिटनेस मानक तय करना है।

आगे की रणनीति

भविष्य में यह भारतीय क्रिकेटरों की फिटनेस का कड़ा मानक साबित होगा। ब्रोंको टेस्ट भारतीय क्रिकेट में फिटनेस को लेकर नए युग की शुरुआत है। बोर्ड का ध्यान अब तेज गेंदबाजों को केवल ताकतवर नहीं, बल्कि लगातार दौड़ने में सक्षम और लंबे समय तक टिके रहने वाला बनाने का है। यह बदलाव भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को और धारदार बनाएगा और टीम को लंबी सीरीजों में बढ़त दिलाने में मदद करेगा।

अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें

रणजी टूर्नामेंट से पहले मुंबई की टीम को बड़ा झटका, अजिंक्य रहाणे ने कप्तानी छोड़ी

मुंबई। लंबे घरेलू सत्र से पहले मुंबई क्रिकेट और उसके फैंस के लिए झटका देने लायक खबर सामने आई है। अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन से पहले कप्तानी पद से इस्तीफा दे दिया है। सोशल मीडिया पर दिए संदेश में रहाणे ने स्पष्ट किया कि यह वह समय है जब टीम में नए नेतृत्व को विकसित करने का मौका मिलना चाहिए। रहाणे ने लिखा, मुंबई टीम का नेतृत्व करना और टूर्नामेंट जीतना मेरे लिए एक बहुत बड़ा सम्मान था। अब जब एक नया घरेलू सत्र शुरू होने वाला है और मुझे लगता है कि नई जिम्मेदारियों के लिए नई कप्तानी को तैयार करना जरूरी है। इसलिए मैंने कप्तानी छोड़ने का निर्णय लिया है। मैं बल्लेबाज के रूप में पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं और मुंबई की ओर से खेलना जारी रखूंगा, ताजा ट्रॉफी जीतने का लक्ष्य है। रहाणे की कप्तानी में मुंबई ने घरेलू क्रिकेट में स्थिरता और सफलता हासिल की। उनके नेतृत्व में मुंबई ने 2023–24 में रणजी ट्रॉफी जीतकर सात साल का सूखा खत्म किया था। इसके अलावा, उन्होंने 2024–25 में ईरानी कप और 2022–23 में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी टीम को जीत दिलाई। इन जीतों ने उनकी कप्तानी को एक नई ऊंचाई दी। कप्तानी छोड़ने के बावजूद, 37 वर्षीय इस खिलाड़ी ने, जिन्होंने 201 प्रथम श्रेणी मैचों में 14,000 से ज्यादा रन बनाए हैं, स्पष्ट किया कि वह संन्यास नहीं ले रहे हैं। वह सभी प्रारूपों में बल्लेबाज के रूप में मुंबई का प्रतिनिधित्व करते रहेंगे। रहाणे ने बताया कि वह टीम के लिए एक बल्लेबाज की भूमिका में, पूरे जोश और प्रतिबद्धता के साथ अपना कार्य करेंगे। उनका मूल लक्ष्य टीम को सफलता दिलाना और नए कप्तान के निर्माण में सहयोग देना है। मुंबई टीम के पास अब सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जइसवाल और सरफराज खान जैसे खिलाड़ियों का समूह मौजूद है, जिनमें नेतृत्व क्षमता भी है। यह कदम आने वाले समय के लिए टीम को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है। श्रेयस इस रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं।

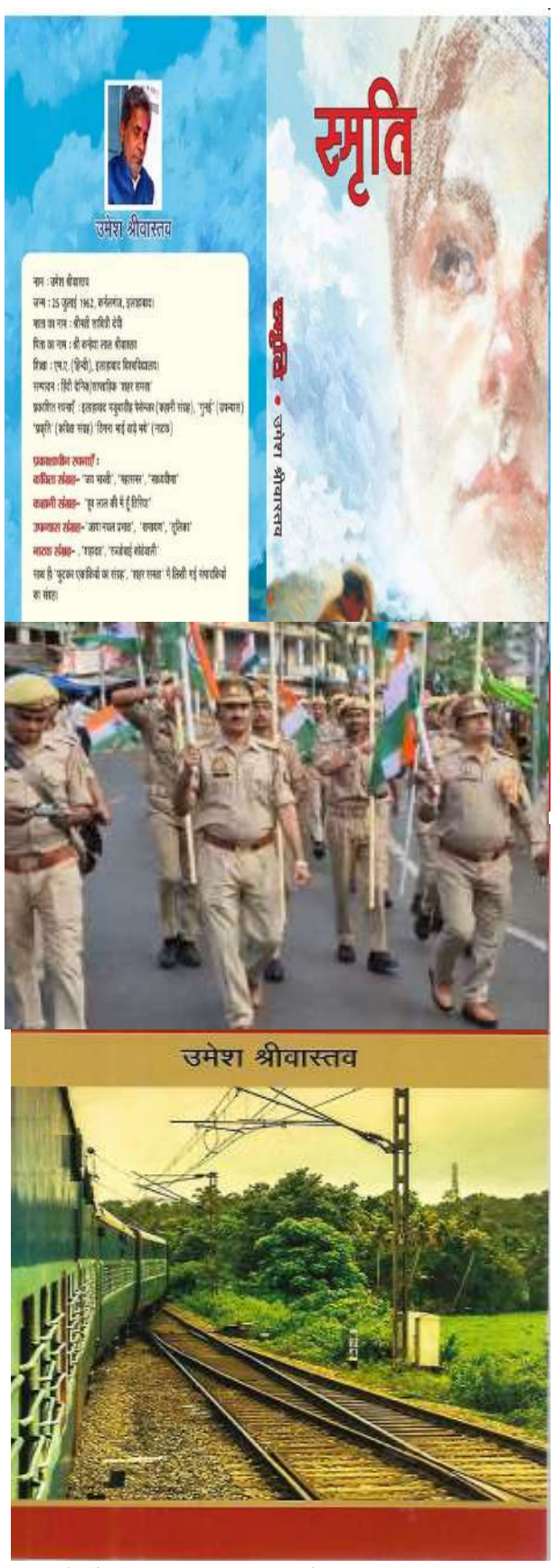

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

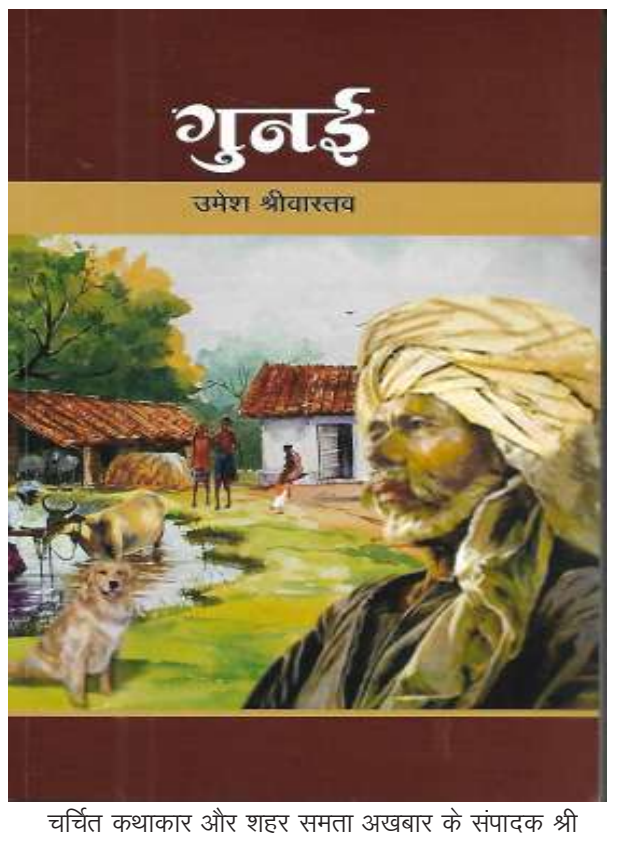

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

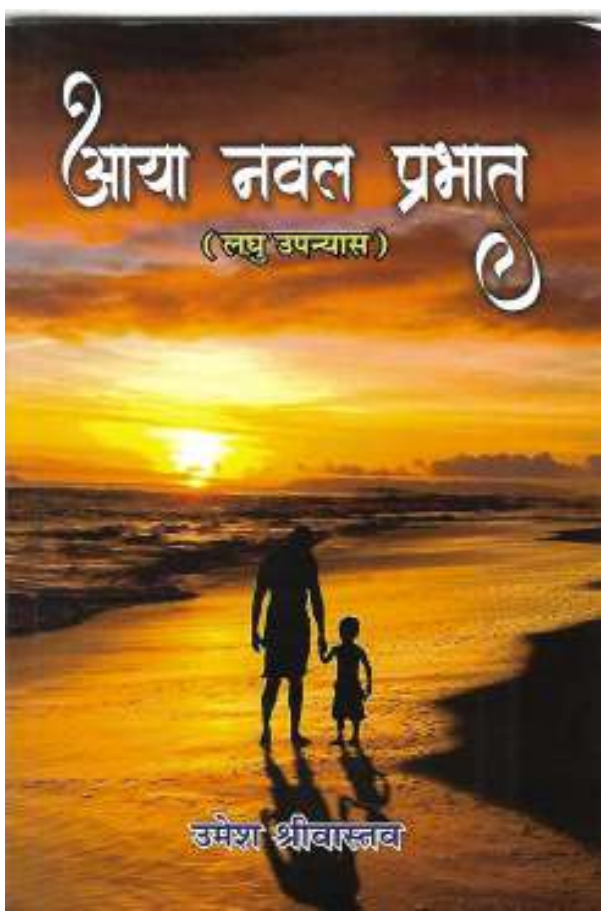

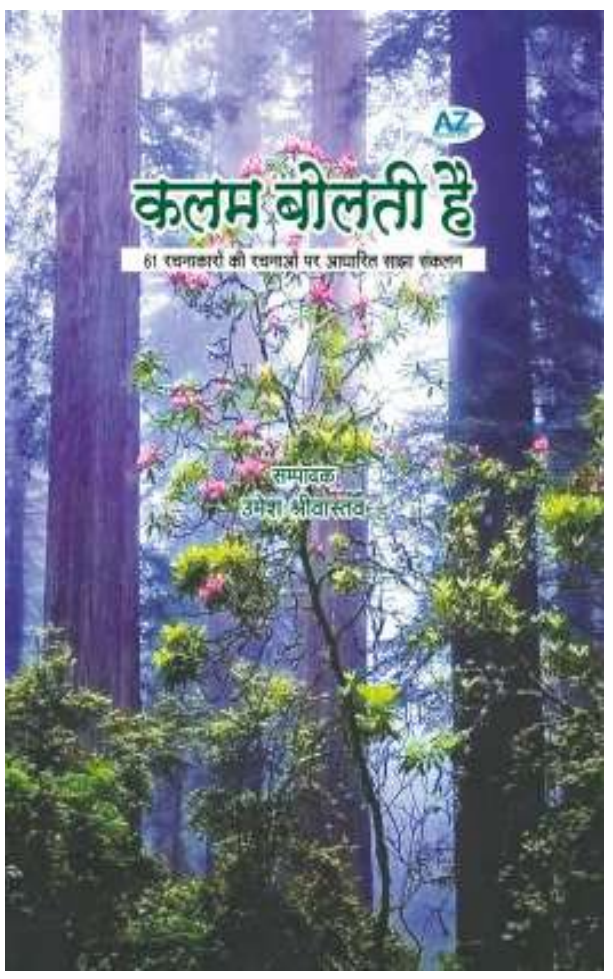

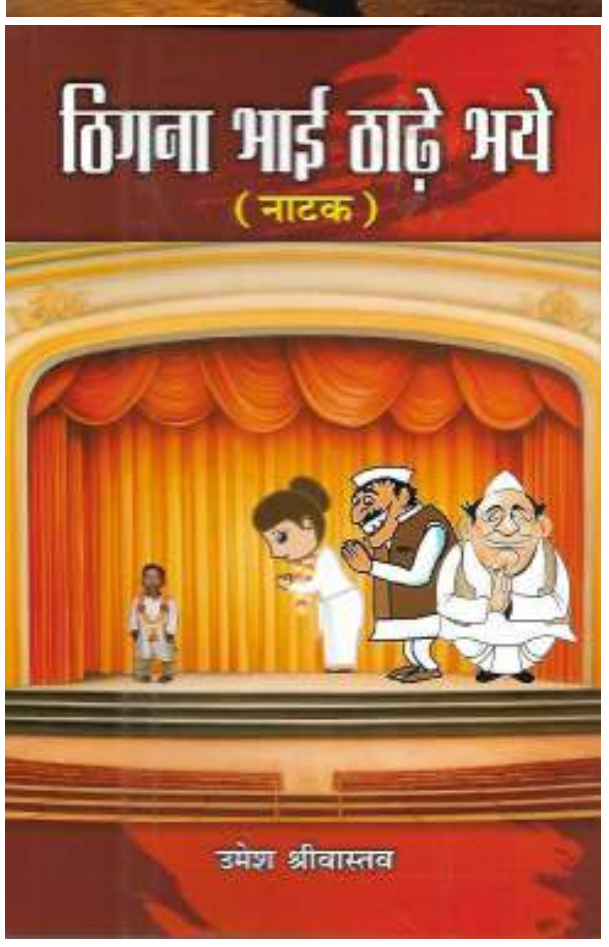

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

17 साल की लड़की से पुतिन का सीक्रेट अफेयर, एक तस्वीर ने दुनियाभर में मचाई खलबली!

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर ब्रिटेन के अखबार ने ऐसा दावा किया है, जिसकी वजह से पूरी दुनिया में खलबली मच गई है। दरअसल, एक अखबारने पुतिन का नाम 17 साल की लड़की के साथ जोड़ दिया है। अब ये लड़की कौन है, पुतिन के संपर्क में कैसे आई ये आपको बताते हैं। एक तस्वीर वायरल होने के बाद 17 साल की लड़की ने पूरी दुनिया में सनसनी मचा दी है। हर कोई इस तस्वीर को देख रहा है। ब्रिटेन के एक अखबार ने अपने एक्सक्लूसिव रिपोर्ट में चौंकाने वाले खुलासे किए है। पत्रकार रोमन बादानिन और मिखाइल रुबिन की किताब में खुलासा द सार इन पर्सन, हाउ व्लादिमीर पुतिन फूल्ड यूएस ऑल में दावा किया है कि साल 2011 में जब पुतिन

58 साल के थे तो उनके एक इरोटिक कैलेंडर की मॉडल 17 साल की अलीसा से हुई। अलीसा मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों के बनाए गए इरोटिक कैलेंडर में अप्रैल महीने की मॉडल थी। ऐसे में सवाल खड़ा होता है कि क्या ये रूसी मॉडल प्रेसिडेंट पुतिन की गर्लफ्रेंड थी? क्या पुतिन और अलीसा के बीच सीक्रेट अफेयर था। रूसी राष्ट्रपति चुनाव से पहले पुतिन की माचो मैन वाली इमेज को चमकाने के लिए एक पीआर कैंपेन चलाया गया। जिसमें कैलेंडर शूट भी हुआ। पुतिन को इस कैलेंडर शूट में शामिल लड़कियों के कॉन्टैक्ट डिटेल्स भी दिए गए थे। दावा है कि इसी दौरान अलीसा नाम की इस रूसी मॉडल के साथ पुतिन की नजदीकियां बढ़ी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कैलेंडर बनने के बाद पुतिन ने अलीसा को अपने घर में बुलाया। दावा तो ये भी किया गया है कि करीब एक साल तक हर दो हफ्ते पुतिन अलीसा से क्रेमलिन में मिला करते थे। इन मुलाकातों के लिए अलीसा को कुछ प्रोजेक्ट पेश करने के लिए कहा जाता था। वो इसे खुशी खुशी करती थी। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि इस दौरान पुतिन की उम्र 58 साल और अलीसा की उम्र 17 साल की थी। खास बात ये है कि इस दौरान पुतिन अपनी पत्नी ल्यूडमिला के साथ शादी के बंधन में बंधे हुए थे। साथ ही जिम्नास्ट अलीना कबाएवा के साथ भी उनका लव रिलेशन चल रहा था। यानी पुतिन एक साथ कई रिलेशन में थे। दावा है कि पुतिन ने ही अलीसा को मॉस्को के प्रतिष्ठित इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन में एडमिशन भी दिलवाया। इसे अलीसा का इनाम माना गया। लेकिन जब पुतिन का अलीसा में इंट्रेस्ट कम हुआ तो अलीसा ने पुतिन के 60वें जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर फोटो डाली जिसका टाइटल पुतिन को पसंद नहीं आया। बस इसके बाद अलीसा और पुतिन के बीच दूरियां बढ़ने लगी। जानकारी के मुताबिक 32 साल की अलीसा इस वक्त शादीशुदा हैं और मॉस्को के महंगे लग्जरी अपार्टमेंट में रहती हैं। वहीं पुतिन को लेकर जो खुलासा एक ब्रिटिश अखबार ने किया वो एक किताब के हवाले से है।

संक्षिप्त

चंपेजंद में अब क्या बड़ा होने वाला है? अचानक बंद की गई इंटरनेट सेवा

पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आई है। पाकिस्तान में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। पाकिस्तान के दो तिहाई हिस्से में इंटरनेट की सेवाएं बंद की गई हैं। पाकिस्तान में राष्ट्रव्यापी इंटरनेट व्यवधान से व्यवसाय, वित्तीय सेवाएँ और दैनिक जीवन बाधित हो रहा है। उद्योग अधिकारियों ने इस इंटरनेट व्यवधान को हाल के वर्षों में सबसे गंभीर व्यवधानों में से एक बताया है। वायरलेस एंड इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स एसोसिएशन ऑफ पाकिस्तान (प्च्।च) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, अनुमान के अनुसार, इंटरनेट व्यवधान के दौरान लगभग दो–तिहाई उपयोगकर्ता प्रभावित हुए। पाकिस्तान स्थित द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, यह इंटरनेट व्यवधान तीन साल पहले 2022 में इसी तारीख को पाकिस्तान में इसी तरह के राष्ट्रव्यापी ब्लैकआउट के बाद आया है, जब बाढ़ ने पाकिस्तान के मुख्य फाइबर मार्गों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। देशव्यापी इंटरनेट व्यवधान ने पाकिस्तान के डिजिटल क्षेत्र की कमज़ोरी को लेकर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। प्च्।च के अध्यक्ष शहज़ाद अरशद ने कहा कि यह एक राष्ट्रीय विफलता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में इंटरनेट का ठप होना अब कोई दुर्लभ घटना नहीं रह गई है; ये एक बार–बार होने वाली हकीकत बन गई है। 2025 में देश का दो–तिहाई हिस्सा ठप हो जाए, ठीक उसी दिन जब हमने 2022 में भी यही स्थिति देखी थी, तो सरकार के हर स्तर पर खतरे की घंटी बजनी चाहिए। शहज़ाद अरशद ने ज़ोर देकर कहा कि विश्वसनीय इंटरनेट की सुविधा अब बिजली जितनी ही ज़रूरी है, क्योंकि फ्रीलांसरों, अस्पतालों, छात्रों और बैंकों, सभी को अपना काम करने के लिए इंटरनेट कनेक्टिविटी की ज़रूरत होती है। उन्होंने कहा कि हर घंटे ऑफ़लाइन रहने से पाकिस्तान को लाखों का नुकसान होता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हमारी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचता है। उद्योग समूह ने नियामकों से अधिक प्रदाताओं को प्रोत्साहित करके, क्षेत्रीय इंटरनेट एक्सचेंज विकसित करके और अतिरेक में निवेश करके बुनियादी ढाँचे में विविधता लाने का आग्रह किया है। अरशद ने कहा, ष्पाकिस्तान का डिजिटल भविष्य विफलता के एकल बिंदुओं का बंधक नहीं रह सकता। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पाकिस्तान को निर्णायक सुधारों की ज़रूरत है, न कि बार–बार माफ़ी मांगने की। एक संदेश में पाकिस्तान टेलीकम्युनिकेशन कंपनी लिमिटेड ने इंटरनेट व्यवधान के बारे में विवरण साझा किया और बताया कि उनकी टीमें सेवाओं को बहाल करने के लिए काम कर रही हैं।

भारत से रिश्ते नहीं सुधारे तो...निक्की हेली ने ट्रंप को दे डाली सीधी वार्निंग

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत और चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप को एक बूढ़ा राष्ट्रपति उम्मीदवार बताने वाली निक्की हेली ने ट्रंप प्रशासन को एक चेतावनी दी है। उन्होंने 20 अगस्त को एक अमेरिकी मैगजीन में प्रकाशित एक लेख में कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को रूसी तेल और टैरफ के मुद्दे को लेकर अमेरिका और भारत के बीच दरार पैदा करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। आपको पता ही है कि 30 जुलाई को ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। जिसके बाद 6 अगस्त को ट्रंप ने एक और

फैसला लिया था, जिसमें भारत पर 25 प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान किया। यानी कुल मिलाकर भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। भारत ने ट्रंप की इस कार्रवाई को अनुचित बताया। जाहिर है कि दोनों देशों के बीच संबंध बिगड़ते हुए नजर आ रहे थे। इसी बीच हेली ने लिखा कि अमेरिका को भारत के साथ अपने रिश्ते सुधारने होंगे। वो लिखती हैं कि अमेरिका को सबसे महत्वपूर्ण बात को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। वो ये कि चीन का सामना करने के लिए अमेरिका को भारत जैसे एक दोस्त की जरूरत है। हालांकि हेली ने ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ वाले फैसले का विरोध नहीं किया। 5 अगस्त कोएक्स पर पोस्ट में हेली ने लिखा था कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए। लेकिन चीन जो हमारा विरोधी है। वो रूस और ईरान से सबसे ज्यादा तेल खरीदता है। उसे 90 दिनों की टैरिफ छूट दी गई। चीन को रियायत देना और भारत जैसे मजबूत साझेदार के साथ रिश्ते खराब करना सही नहीं है। इसी बात को दोहराते हुए उन्होंने लिखा कि ट्रंप प्रशासन का भारत के साथ दुश्मन जैसा व्यवहार करना ठीक नहीं है। एशिया में चीनी प्रभुत्व के खिलाफ एकमात्र देश के साथ 25 सालों के रिश्तों को खराब करना एक रणनीतिक आपदा होगी। हेली ने तर्क दिया कि अमेरिका जब चीन से सप्लाई चेन हटाना चाहता है तो भारत ही एक ऐसा देश है जो चीन जैसी बड़ी पैमाने पर चीजें बना सकता है।

नाइजीरिया : मस्जिद और गांवों पर हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हुई

उत्तर–पश्चिमी नाइजीरिया में एक मस्जिद में गोलीबारी और आसपास के कई गांवों पर हुए हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। एक स्थानीय अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सांसद अमीनू इब्राहिम के अनुसार, मंगलवार को सुबह की नमाज के दौरान बंदूकधारियों ने कात्सिना राज्य के उंगुवान मंतौ शहर की मस्जिद पर हमला किया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

भारत सुनिश्चित करे कि उसकी धरती से कोई बांग्लादेश विरोधी गतिविधि न हो : बांग्लादेश की अंतरिम सरकार

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने भारत से यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने का बुधवार को आग्रह किया कि उसकी धरती से किसी भी बांग्लादेशी नागरिक द्वारा बांग्लादेश विरोधी गतिविधि नहीं की जाए। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार ने इन खबरों पर गौर किया है कि ''प्रतिबंधित'' अवामी लीग ने भारत में कार्यालय स्थापित किए हैं। उसने भारतीय अधिकारियों से आग्रह किया कि वे ''किसी भी तरह से ऐसी किसी भी गतिविधि'' की अनुमति या समर्थन न दें। उसने ''प्रतिबंधित बांग्लादेश अवामी लीग के भारतीय धरती पर राजनीतिक कार्यालयों को तत्काल बंद किए जाने'' की भी मांग की। भारत ने बुधवार को कहा कि उसे बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री

शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी द्वारा देश में कोई भी बांग्लादेश विरोधी गतिविधि किए जाने की जानकारी नहीं है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने एक बयान में कहा, ''बांग्लादेशी नागरिकों, खासकर किसी प्रतिबंधित राजनीतिक दल के फरार नेताओं/कार्यकर्ताओं द्वारा भारतीय धरती पर वैध या अवैध रूप से रहकर कार्यालय स्थापित करने समेत बांग्लादेश के हितों के विरुद्ध किसी भी प्रकार की राजनीतिक गतिविधि किया जाना बांग्लादेश की जनता और सरकार का एक स्पष्ट अपमान है।'' इसमें कहा गया है, ''इस घटनाक्रम से भारत के साथ आपसी विश्वास और सम्मान से प्रेरित अच्छे पड़ोसी संबंधों को भी खतरा है और इसका बांग्लादेश में जारी राजनीतिक बदलाव पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।'' बयान में आशंका जताई गई है कि यह मामला ''बांग्लादेश में जनभावनाओं को भी भड़का सकता है, जिसका असर दो सबसे करीबी पड़ोसियों के बीच संबंधों को और बेहतर बनाने के दोनों देशों के प्रयासों पर पड़ सकता है।'' इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि नयी दिल्ली को भारत में अवामी लीग के कथित सदस्यों द्वारा बांग्लादेश विरोधी कोई भी गतिविधि या भारतीय कानून के विरुद्ध कोई भी कार्रवाई किए जाने की जानकारी नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''सरकार भारतीय धरती से अन्य देशों के विरुद्ध राजनीतिक गतिविधियों की अनुमति नहीं देती है।'' उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रेस में जारी बयान गलत है।'' उन्होंने कहा, ''भारत अपनी अपेक्षा दोहराता है कि जनता की इच्छा और जनादेश जानने के लिए बांग्लादेश में जल्द से जल्द स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराए जाएंगे।

भारत के 'सुदर्शन चक्र' रक्षा कवच की डोर रूस से भी जुड़ेगी! रक्षा साझेदारी को मिला बल!

भारत की महत्वाकांक्षी सुदर्शन चक्र वायु रक्षा प्रणाली में रूस की अहम भूमिका होने की उम्मीद है, जिसका अनावरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन के दौरान किया था। यह घोषणा भारत में रूसी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने की, जिन्होंने एक विश्वसनीय रक्षा साझेदार के रूप में मास्को की दीर्घकालिक भूमिका पर ज़ोर दिया। भगवान कृष्ण के पौराणिक अस्त्र से प्रेरित होकर, सुदर्शन चक्र प्रणाली का उद्देश्य दुश्मन के खतरों को बेअसर करना और सटीक आक्रामक प्रहार करना है, जो सैन्य आत्मनिर्भरता की दिशा में एक साहसिक छलांग का प्रतिनिधित्व करता है।

रोमन बाबुश्किन ने किया सुदर्शन चक्र का जिक्र

बुधवार (20 अगस्त) को रूसी दूतावास में एक प्रेस वार्ता उस समय जीवंत हो गई जब मॉस्को से नई दिल्ली के प्रभारी रोमन बाबुश्किन ने रूस की सबसे उन्नत वायु रक्षा प्रणाली के लिए एक अनोखा भारतीय शब्द चुना। यह सवाल एक पत्रकार ने पूछा था कि क्या भारत इज़राइल के आयरन डोम जैसी वायु रक्षा प्रणालियों पर विचार कर सकता है। बाबुश्किन मुस्कुराए, आगे झुके और बदले में पूछा, ष्आपका मतलब सुदर्शन चक्र है?ष वह यहीं नहीं रुके। एक मनोरंजक भाव के साथ उन्होंने कहा, ष्अगली बार हिंदी में पूछिएगा, मैं बेहतर जवाब दे पाऊँगा! भारत पहले ही रूस से—400 मिसाइल प्रणाली खरीद चुका है। भारतीय रक्षा हलकों में, इस प्रणाली को ष्सुदर्शन चक्रष का तमगा प्राप्त है। मई में पाकिस्तान के साथ चार दिनों तक चली झड़प के दौरान यह प्रणाली सुर्खियों में आई थी, जब इस प्रणाली ने दुश्मन की मिसाइलों को रोककर युद्धक्षेत्र में अपनी प्रभावशीलता साबित की थी।

स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र बनाने की पीएम ने की थी घोषणा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (15 अगस्त, 2025) को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि भारत 2035 तक एक स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली विकसित करेगा जो न केवल दुश्मन के हमलों को बेअसर करेगी, बल्कि उसका कड़ा जवाब भी देगी। कृष्ण जयंती की पूर्व संध्या पर घोषित इस मिशन को भगवान कृष्ण की पौराणिक ढाल के सम्मान में श्सुदर्शन चक्रश नाम दिया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा था कि ष्मैं आज लाल किले की प्राचीर से कह रहा हूँ कि आने वाले 10 वर्षों में, 2035 तक, देश के सभी महत्वपूर्ण स्थानों, जिनमें सामरिक और नागरिक क्षेत्र शामिल हैं, जैसे अस्पताल, रेलवे, आस्था के सभी केंद्र, को तकनीक के नए प्लेटफार्मों के माध्यम से पूर्ण सुरक्षा कवच प्रदान किया जाएगा। यह सुरक्षा कवच निरंतर विस्तृत होता रहे, देश का प्रत्येक नागरिक सुरक्षित महसूस करे।

मिशन सुदर्शन चक्र क्या है?

सुदर्शन चक्र परियोजना की परिकल्पना एक बहुस्तरीय राष्ट्रीय सुरक्षा ढाँचे के रूप में की गई है जो 2035 तक सैन्य ठिकानों, अस्पतालों, रेलवे, धार्मिक स्थलों आदि सहित सामरिक और नागरिक बुनियादी ढाँचे को पूर्ण सुरक्षा प्रदान करेगी। मोदी ने कहा, ष्हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि 2035 तक देश के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों को एक व्यापक सुरक्षा कवच से ढक दिया जाए।ष उन्होंने इस प्रणाली के अनुसंधान, विकास और उत्पादन में पूर्ण स्वदेशीकरण का आह्वान किया।

रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने भारत पर अमेरिकी प्रतिबंध को लेकर भी बात की

दिल्ली में रूस के प्रभारी राजदूत रोमन बाबुश्किन ने बुधवार को कहा कि रूसी कच्चे तेल की खरीद के लिए भारत के खिलाफ अमेरिका की दंडात्मक कार्रवाई से उत्पन्न होने वाली किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए रूस के पास एक ''विशेष तंत्र'' है। भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद भारत और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण हुए हैं।

दिल्ली के साथ अपने देश के संबंधों में तेजी से सुधार होने की उम्मीद जताई

बाबुश्किन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में नयी दिल्ली के साथ अपने देश के संबंधों में तेजी से सुधार होने की उम्मीद जताई और कहा कि विभिन्न सैन्य साजोसामान व उपकरण की आवश्यकता के लिए रूस भारत का ''पसंदीदा साझेदार'' रहा है। वरिष्ठ रूसी राजनयिक ने कहा कि नयी दिल्ली की सुदर्शन चक्र नामक एक नयी वायु रक्षा प्रणाली बनाने की योजना का रूस के हिस्सा होने की उम्मीद है जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान की थी।

प्रतिबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता व ऊर्जा सुरक्षा के लिए हानिकारक

उन्होंने कहा, ''हम इस समझ से आगे बढ़ रहे हैं कि जब इन प्रणालियों को आगे बढ़ाने की बात आएगी, तो रूसी उपकरण इसका हिस्सा होंगे।'' रूस के प्रभारी राजदूत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने को लेकर भारत पर अमेरिका की ओर से निरंतर दबाव बनाए जाने को "अनुचित" बताया और कहा कि इस तरह का दृष्टिकोण और प्रतिबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता व ऊर्जा सुरक्षा के लिए हानिकारक है।

यूक्रेन पर रूस ने किया साल का सबसे बड़ा हमला, 574 ड्रोंस और 40 मिसाइलों के साथ बरपाया कहर

कीव। यूक्रेन से संघर्ष विराम को लेकर जारी पश्चिमी देशों की कवायद के बीच रूस ने यूक्रेन पर इस साल का सबसे बड़ा मिसाइल और ड्रोन हमला किया है। यूक्रेनी वायु सेना ने इस हमले के बारे में बताते हुए कहा कि रूसी सेना ने देश के पश्चिमी इलाकों को निशाना बनाकर ज्यादातर हमले किए। यूक्रेनी वायुसेना ने कहा कि रूस ने उन पर 574 ड्रोन्स और 40 मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमले किए। इन हमलों में कम से कम एक व्यक्ति की

मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। वहीं, यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने भी इन हमलों को लेकर बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि रूस ने पश्चिमी यूक्रेन में एक प्रमुख अमेरिकी इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता संस्था पर हमला किया है। रूस का ये हमला तब हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत पश्चिमी देश रूस–यूक्रेन संघर्ष को रुकवाने की कोशिश में जुटे हैं। बीते हफ्ते अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के बाद सोमवार को ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और यूरोपीय नेताओं के साथ बैठक की थी। ट्रंप ने इस बैठक के दौरान साफ किया कि वे किसी तरह के संघर्ष विराम को लागू करने की जगह सीधा शांति समझौते की तरफ जाना चाहते हैं। हालांकि, इस दौरान उनकी और यूरोपीय नेताओं में इस बात पर सहमति रही कि यूक्रेन को शांति समझौते के एवज में भविष्य के खतरों से निपटने के लिए कुछ सुरक्षा गारंटी दी जा सकती हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बाद में कहा कि अगले 10 दिन में यूक्रेन की सुरक्षा गारंटियों को लेकर मंथन किया जाएगा और रूस के साथ वार्ता पर आगे चर्चा होगी। इस चर्चा में यूरोपीय देश के नेताओं के साथ–साथ अमेरिकी प्रशासन भी रहेगा। यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित करने का जिम्मा ट्रंप प्रशासन की तरफ से अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो को सौंपा गया है।

नेतन्याहू के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने वालों जजों पर प्रतिबंध, आईसीसी–फ्रांस ने ट्रंप को घेरा

वाशिंगटन। अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने फ्रांस और बेल्जियम के साथ मिलकर उसके न्यायाधीशों और अभियोजकों पर प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिका की कड़ी आलोचना की है। अमेरिका के इस कृत्य को आईसीसी ने न्यायालय की न्यायिक स्वतंत्रता पर करारा हमला करार दिया है।बुधवार को स्थानीय समयानुसार जारी एक बयान में आईसीसी ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों की चिंता किए बगैर वह अपने काम को जारी रखेगा। साथ ही आईसीसी ने अपने 125 सदस्य देशों से अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के पीड़ितों को न्याय दिलाने में अपने कार्य के लिए निरंतर समर्थन देने के लिए भी आह्वान किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।